



एक नजर

जापान के रक्षा मंत्री के साथ आज द्विपक्षीय वार्ता करेंगे राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी के साथ सोमवार को यहां द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

दोनों पक्ष वर्तमान क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को अधिक प्रगाढ़ करने के तरीकों पर चर्चा करेंगे।

भारत और जापान के बीच दीर्घकालिक मित्रता है, जिसने वर्ष 2014 में इस सहयोग को विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी तक बढ़ाने के बाद गुणात्मक गति प्राप्त की है। रक्षा और सुरक्षा दोनों देशों के बीच संबंधों के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

रणनीतिक मामलों पर बढ़ते तालमेल के कारण हाल के वर्षों में भारत और जापान के बीच रक्षा आदान-प्रदान को बल मिला है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र की शांति, सुरक्षा और स्थिरता के मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण से इसका महत्व बढ़ रहा है। दोनों रक्षा मंत्रियों के बीच नवंबर 2024 में लाओ पीडीआर में आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस के मौके पर पहली बातचीत के बाद छह महीने के भीतर यह दूसरी बैठक होगी।

पहलगाम हमले का सटीक और तत्परता से जवाब दे सरकार: प्रियंका

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्वा ने पहलगाम हमले पर रविवार को कहा कि उनकी पार्टी इस मुद्दे पर सरकार के साथ खड़ी है और वह जो भी निर्णय देगी कांग्रेस उसका समर्थन करेगी इसलिए सरकार को इस हमले का तत्परता से जवाब देना चाहिए। सुश्री वाड्वा ने कहा कि सरकार को पहलगाम हमले का सटीक, निर्णायक, मजबूत और तेजी से जवाब देना चाहिए और वह जो भी फैसला लेगी कांग्रेस अपने आधिकारिक बयान के अनुसार उसके हर निर्णय का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी ने सीडब्ल्यूसी में जो बयान दिया हम सब उसके साथ हैं। यह कांग्रेस पार्टी का आधिकारिक बयान है। इसमें साफ तौर पर कहा गया है कि सरकार जो भी कदम उठाए जा रही है, हम उसका समर्थन करते हैं। दरअसल, हम सरकार से बहुत मजबूत, निर्णायक और तेजी से कदम उठाने का आग्रह करते हैं।

पुतिन के बुलावे पर विजय दिवस में भाग लेने के लिए रूस जाएंगे जिनपिंग

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग मॉस्को में विजय दिवस समारोह में भाग लेने के लिए सात से 10 मई तक रूस की राजकीय यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि चीनी राष्ट्रपति की यात्रा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर हो रही है। प्रवक्ता ने कहा कि शी जिनपिंग और शी पुतिन ने नए युग में चीन-रूस संबंधों को जटिल बाहरी वातावरण के बावजूद हमेशा आगे बढ़ने के लिए निर्देशित किया है और संबंधों की चिरस्थायी अच्छे-पड़ोसी और मित्रता, व्यापक रणनीतिक समन्वय और पारस्परिक लाभ, सहयोग और जीत-जीत की परिभाषित विशेषताओं का प्रदर्शन किया है। प्रवक्ता ने कहा कि शी आगामी राजकीय यात्रा के दौरान चीन-रूस संबंधों और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय मुद्दों की एक श्रृंखला पर राष्ट्रपति पुतिन के साथ रणनीतिक वार्ता करेंगे। प्रवक्ता ने कहा, "हमारा मानना ​​है कि दोनों राष्ट्रपतियों के बीच आपसी समझ दोनों देशों के बीच राजनीतिक विश्वास को और गहरा करेगी, रणनीतिक समन्वय में नया तत्व जोड़ेगी, विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग को बढ़ावा देगी, दोनों देशों के लोगों को अधिक लाभ पहुंचाएगी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अधिक स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा का योगदान देगी।"

आर्कटिक सर्कल इंडिया फोरम 2025 में विदेश मंत्री एस जयशंकर की दो टूक

‘हमें भागीदारों की तलाश, उपदेशकों की नहीं’: विदेश मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्कटिक सर्कल इंडिया फोरम 2025 में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, हूहम अब उस आकार और अवस्था में पहुंच गए हैं, जहां दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली लगभग हर महत्वपूर्ण घटना हमारे लिए मायने रखती है। अमेरिका आज पहले से कहीं



अधिक आत्मनिर्भर है। यूरोप आज बदलाव के लिए दबाव में है। बहुध्रुवीयता की वास्तविकताएं उसे समझ में आ रही हैं। मुझे लगता है कि उसने अभी भी इसे पूरी तरह से समायोजित और आत्मसात नहीं किया है। अमेरिका ने अपना रुख

बदल लिया है। चीनी वही कर रहे हैं जो वे पहले कर रहे थे। हम प्रतिस्पर्धा का ऐसा क्षेत्र देखने जा रहे हैं जिसे याद करना आसान नहीं होगा। हम एक बहुत अधिक प्रतिस्पर्धी दुनिया, बहुत अधिक तीव्र प्रतिस्पर्धा देख रहे हैं।

जयशंकर ने भारत के बढ़ते रसूख की ओर इशारा करते हुए कहा, हूजब हम दुनिया को देखते हैं, तो हम भागीदारों की तलाश करते हैं, हम उपदेशकों की तलाश नहीं करते। खास तौर पर, ऐसे उपदेशक जो विदेश में जो उपदेश देते हैं, उसे अपने देश में नहीं अपनाते हू उनहोंने आगे कहा, ह्यूरोप के कुछ हिस्से अभी भी इस समस्या से जूझ रहे हैं। यूरोप वास्तविकता की जांच के एक निश्चित क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है। वे आगे बढ़ने में सक्षम हैं या नहीं, यह कुछ ऐसा है जिसे हमें देखना होगा। अगर हमें साझेदारी विकसित करनी है, तो कुछ समझ,

संवेदनशीलता, आपस के हित और दुनिया कैसे काम करती है, इसका एहसास करना होगा। इस शिखर सम्मेलन का जिक्र उन्होंने एक्स पोस्ट पर भी किया। उन्होंने लिखा- आर्कटिक सर्कल इंडिया फोरम 2025 में शामिल हो और बातचीत कर मुझे खुशी हुई। आर्कटिक में विकास के वैश्विक परिणामों के बारे में बात की और ये भी कि कैसे बदलती विश्व व्यवस्था इस क्षेत्र को प्रभावित करती है। आर्कटिक में भारत की बढ़ती जिम्मेदारियों को रेखांकित किया, कनेक्टिविटी, प्रौद्योगिकी, संसाधनों, अनुसंधान और अंतरिक्ष में अवसरों की पहचान।

भारत ने बगलिहार बांध से जल प्रवाह रोका: सूत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने चिनाब नदी पर बगलिहार बांध के माध्यम से पानी के प्रवाह को रोक दिया है और झेलम नदी पर बने किशनगंगा बांध को लेकर भी इसी तरह के कदम उठाने की योजना बना रहा है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि जम्मू के रामबन में बगलिहार जलविद्युत बांध और उत्तरी कश्मीर में किशनगंगा जलविद्युत बांध भारत को पानी छोड़ने के समय को विनियमित करने की क्षमता देते हैं। भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद दशकों पुरानी

संधि को निलंबित करने का निर्णय लिया। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। विश्व बैंक की मध्यस्थता से की गई सिंधु जल संधि ने 1960 से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के उपयोग को नियंत्रित किया है। बगलिहार बांध दोनों पड़ोसियों के बीच लंबे समय से विवाद का विषय रहा है। पाकिस्तान इस मामले में विश्व बैंक की मध्यस्थता की मांग कर चुका है। पाकिस्तान को किशनगंगा बांध को लेकर भी खासकर झेलम की सहायक नदी नीलम पर इसके प्रभाव के कारण आपत्ति है।

संस्कृत का उत्थान भारत के उत्थान के साथ जुड़ा है: शाह

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारत की अधिकतर भाषाओं की जननी संस्कृत ही है, इसलिए संस्कृत का उत्थान भारत के उत्थान के साथ जुड़ा है। श्री शाह रविवार को यहां 1008 संस्कृत सम्भाषण शिविरों के साप्ताहिक समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्री शाह ने कहा कि संस्कृत भारती ने 1008 संस्कृत सम्भाषण शिविरों के आयोजन का एक बहुत साहसिक काम किया है। संस्कृत के ह्रास की शुरुआत गुलामी के कालखंड से पहले ही हो गई



थी और इसके उत्थान में भी समय लगेगा। उन्होंने कहा कि आज देश में संस्कृत के उत्थान के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। चाहे सरकार हो, जनता हो या सोच हो, ये सभी संस्कृत और संस्कृत के उत्थान के प्रति कटिबद्ध

और वचनबद्ध हैं।

उन्होंने कहा कि संस्कृत भारती 1981 से संस्कृत में उपलब्ध ज्ञान के भंडार को विश्व के सामने रखने, लाखों लोगों को संस्कृत बोलने और संस्कृत में प्रशिक्षित करने का काम कर रही है। दुनिया के कई महान विचारकों ने संस्कृत को सबसे वैज्ञानिक भाषा के रूप में स्वीकार किया है। अब संस्कृत के ह्रास के इतिहास को स्मरण करने की जगह संस्कृत के उत्थान के लिए काम करना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार की नयी शिक्षा नीति में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर फोकस किया गया है और इसका बहुत बड़ा वर्टिकल संस्कृत है।



मदद से तत्काल संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि हादसे में तीन सैनिकों की मौत हो गई, जिनकी पहचान सिपाही अमित कुमार, सुजीत कुमार और मान बहादुर के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना की वजह से वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। एक पुलिस

अधिकारी ने बताया कि मार्च में हुई इसी तरह की एक घटना में, ताजी सज्जियां ले जा रहा एक मालवाहक वाहन रामबन जिले में सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया था, जिससे दो लोगों की मौत हो गई थी। ये लोग अपने गांव उखराल पोगल-परिस्तान लौट रहे थे, जब जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय

राजमार्ग पर बैटरी चरमा के पास यह दुर्घटना घटी। मृतकों की पहचान चालक अशीद अहमद और उनके सहायक सेवा सिंह के रूप में हुई थी। इस दोनों की उम्र लगभग 30 साल थी। अधिकारी के मुताबिक, पुलिस और स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से संयुक्त बचाव अभियान चलाया गया और शवों को कई सौ फीट गहरी खाई से बरामद कर लिया गया। मार्च में ही हुई एक अन्य घटना में रियासी जिले में एक वाहन के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से चार लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए थे।

चुनाव आयोग ला रहा है एक नई ऐप, इलेक्शन से जुड़ी सभी सेवाएं एक ही जगह मिलेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) अब एक नया और आसान डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है, जिससे वोटर, चुनाव अधिकारी, राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन सभी को सुविधा मिलेगी। इस नए प्लेटफॉर्म का नाम ईसीआईनेट होगा। ईसीआईनेट चुनाव आयोग के पहले से मौजूद 40 से ज्यादा मोबाइल और वेबसाइट ऐप्स को एक साथ लाएगा और उन्हें नया रूप देगा।

यह एक ही जगह से चलने वाला ऐसा ऐप होगा जिसमें चुनाव आयोग की 40 से ज्यादा पुरानी मोबाइल और वेब ऐप्स को जोड़ दिया जाएगा। ईसीआईनेट के शानदार यूजर इंटरफेस के साथ इसे इस्तेमाल करना भी बहुत आसान होगा, क्योंकि सभी चुनावी काम एक ही जगह पर हो सकेंगे। अब लोगों को अलग-अलग ऐप डाउनलोड करने और अलग-अलग लॉगिन याद रखने की



जरूरत नहीं पड़ेगी।

इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत मार्च 2025 में हुई थी जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन में इसकी योजना बनाई थी। ईसीआईनेट के माध्यम से उपयोगकर्ता अपने कंप्यूटर या स्मार्टफोन पर चुनाव से जुड़ी जरूरी जानकारी आसानी से देख

सकेंगे। ईसीआईनेट के माध्यम से उपयोगकर्ता अपने कंप्यूटर या स्मार्टफोन पर चुनाव से जुड़ी जरूरी जानकारी आसानी से देख सकेंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि जानकारी एकदम सही हो, ईसीआईनेट पर डेटा केवल अधिकृत चुनाव आयोग के अधिकारी ही डालेंगे। संबंधित अधिकारी द्वारा डेटा डालने से यह पक्का होगा कि हितधारकों को जो जानकारी मिले वह अधिक से अधिक सही हो।

एनसीआर समाचार पत्र के स्वाभित्/प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा है। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।
कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62
फोन :
8888883968
9811111715

संपादकीय

पहलगाम त्रासदी : क्या हो अमन की राह?

कश्मीर के बैसरन में 26 सैलानियों को बेरहमी से कत्ल कर दिया गया और कई अन्य घायल हुए। इस त्रासदी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। यह दावा किया गया है कि हत्यारे आतंकवादी पाकिस्तान की लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन ह्दाद रेसिसटेंस फोर्सह्द के थे। इस संगठन ने इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी भी ली है। हमलावरों ने लोगों का धर्म पूछ़ा और फिर बेरहमी से उन्हें अपनी गोलियों का निशाना बनाया। मरने वालों में सैयद आदिल शाह नामक व्यक्ति भी था जो पर्यटकों को घोड़ों पर बिठाकर घेर करवाता था।

इस कांड के तुरंत बाद हेलीकाप्टरों के पहुँचने तक हमले के शिकार लोगों की मदद मुख्यतः मुसलमानों ने की। घायलों का इलाज मुस्लिम डॉक्टरों के एक दल ने किया। पूरी कश्मीर घाटी में बंद रहा और ह्दह्द मुस्लिम भाई भाईह्द के नारे गुंजते रहे। घटना के समय प्रधानमंत्री सऊदी अरब में थे। वे अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर स्वदेश वापिस आए लेकिन घटनास्थल पर जाने के बजाए वे एक चुनावी रैली में शामिल होने बिहार चले गए। प्रधानमंत्री मोदी ने सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता भी नहीं की क्योंकि वे उस समय बिहार में थे और वहां मंच पर भाजपा के सहयोगी दल के नेता नीतीश कुमार के साथ हंसी-ठिठोली करते नजर आए। सभी विपक्षी दलों ने आतंकी हमले के खिलाफ सरकार द्वारा उठाए जाने वाले सभी कदमों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया, जो बिल्कुल उचित कदम था।

प्रधानमंत्री का यह रवैया गुजरात के गोधरा में ट्रेन में आग लगने की घटना के बाद के उनके रवैये के एकदम विपरीत था। तब वे घटना के आधे घंटे के अंदर ही घटनास्थल की ओर रवाना हो गए थे और उन्होंने यह निर्देश दिया था कि शवों को अहमदाबाद ले जाया जाए जहां उन्हें एक जुलूस में शहर की सड़कों पर घुमाया गया। पहलगाम हमले के बाद से सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर ऐसे संदेश पोस्ट किए जा रहे हैं जिनमें आतंकवादियों को हामुस्लिम राक्षसीह्द के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। आतंकियों ने पर्यटकों की हत्या करने के पहले उनका धर्म पूछ़ा इस बात को मुस्लिमों के प्रति घृणा फैलाने का मुख्य आधार बनाया जा रहा है। मुसलमानों को कटघरे में खड़ा करने का सिलसिला काफी पहले से चल रहा है। गाव और लव जिहाद जैसे मुद्दों के बहाने मुसलमानों की लिंचिंग होती रही हैं। उनका नाम पता लगने के बाद उन्हें मकान बेचने या किराए पर देने से इंकार कर दिया जाता है। उन्हें सिर्फ उनके धर्म की वजह से नौकरी नहीं दी जाती है। परकार और गोदी मीडिया ने आतंकियों के मुस्लिम होने की बात का जिक्र तो खूब किया मगर उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था और गुप्तचर संस्थाओं की असफलता के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा।

-किशन सनमुखदास भावनानी-

एक पहाड़ी पर खड़े एक मुस्लिम परिवार

वैश्विक स्तरपर खुशियों या सकारात्मक परिस्थितियों में तो हर व्यक्ति जीवन जीने को आतुर रहता है, परंतु सृष्टि का यह नियम है कि हमेशा ऐसा नहीं होता, जीवन का चक्र घूमते रहता है। यदि आज सकारात्मक परिस्थितियां हैं तो कल नकारात्मक परिस्थितियां भी आनी हो दें।जिससे हमें मुकाबला कर आगे बढ़ना है और स्थितियों पर परिस्थितियों से निपट कर सफलता के झंडे गाड़कर इतिहास रचना है। जो खुद में स्थिर होते हैं, हर परिस्थितियों से लड़ते हैं, वही अपने जीवन में इतिहास रखते हैं। क्योंकि जब हम निर्भीकता से विपत्तियों का मुकाबला करने के लिए कटिबद्ध होगे त्योंहिं विपत्तियां दुम दबाकर भाग खड़ी होगी। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से विभिन्न विचारों को समाहित करते हुए चर्चा करेंगे आओ परिस्थितियों से लड़ कर इतिहास रचें।

साथियों बात अगर हम मानवीय जीवन में परीक्षा की घड़ी की करें तो अनुकूल परिस्थितियों में तो सभी सटीकता से जीवन यापन करने और अपने आप को सुदृढ़ और सुलझा हुआ कहने लगते हैं परंतु असली व्यक्तिव और सटीकता का पता तो तब चलता है जब विपरीत परिस्थितियों में भी स्थिरता के से मुकाबला कर उन्हें अनुकूल बनाकर इतिहास रचते हैं। असल में हम विपरीत परिस्थितियों में हिम्मत रखना और जिंदगी में जो भी परिस्थितियां

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

आतंकवाद का जहर समूचे देश में फैल चुका है। चौराहों से लेकर चापलों तक चचाओं का बाजार गर्म है। पाक प्रायोजित पहलगाम हमले ने राष्ट्र भक्त नागरिकों को आंदोलित कर दिया है। धर्म पूछकर की गई हत्याओं ने इस्लाम के मंत्रबूझे जाहिर कर दिये हैं। देश के अंदर रहने वाले मीर कासिम की तरह गद्दार भी अब घंडियाली आंसू बहाकर उल्टेनात्मक बयानबाजी करके अपने को हिन्दुओं का शुभचिन्तक घोषित करने की होड़ में लगे हैं। हिन्दुस्तान के स्वर्ग के बाद अब देवभूमि को निशाना बनाने का षडयंत्र भी उजागर होने लगा है। सूत्रों की माने तो कश्मीर घाटी के बाद अब केदार घाटी में भी नापाक इरादों को कामयाब करने के लिए छद्मवेशधारियों की जमातों ने आमद दर्ज कर ली है। उत्तराखण्ड में प्रारम्भ हो चुकी तीर्थ यात्रा में जहां केदारनाथ और यमुनोत्री में फर्जी दस्तावेजों के आधार अनेक आतंकियों व्दारा घोड़ेवाले के रूप में पंजीकरण तक करवा लिया है वहीं यात्रा मार्ग में अनेक बाहरी लोगों ने दुकानें खोलकर व्यवसायी

जातियों के आंकड़े नहीं होने और आर्थिक स्थिति की ठोस जानकारी नहीं होने की वजह से सभी जातियों का आरक्षण अनुमानित आधार पर दिया गया है। अब जातिगण गणना होगी और सरकार के सामने वास्तविक आंकड़े होंगे तो उनके आधार पर आरक्षण का फैसला होगा। मिसाल के तौर पर अंग्रेजों के जमाने में 1931 में हुई जनगणना के मुताबिक बिहार में पिछड़ी जातियों की आबादी 52 फीसदी थी, लेकिन बिहार सरकार ने जनगणना कराई तो पिछड़ी जातियों की आबादी 63 फीसदी निकली।

आओ परिस्थितियों से लड़कर इतिहास रचें

हो उसका डटकर सामना करना हमारी जिंदगी में जो भी समस्या हो उन समस्याओं का हल निकालना और उन समस्याओं का हल निकालते और लड़ते-लड़ते मर जाना बेहतर है। किसी भी समस्या से भागना नहीं चाहिए विकट परिस्थितियों में जूजते रहेंगे तो हमारी समस्याओं का हल अपने आप निकलता रहेगा और आने वाली पीढ़ी के लिए समस्याओं का निराकरण भी लाएंगे और हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए आदर्श भी बनेंगे जो लोग समस्याओं से लड़ते हैं और उसका हल निकालते हैं और डरते नहीं है, वही लोग महान हैं। साथियों बात अगर हम सटीक कहावत मानव परिस्थितियों का दास होता है और उस दास शब्द को अस्वीकार करने की करें तो, मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकलने के लिए हमें सर्वथथम उन वजहों को समझने का प्रयास करना चाहिए जिनके चलते ये परिस्थितियाँ पैदा हुई हैं जिसपर पर बारिकी से नजर रखते हुए सब के साथ परिस्थितियों का सामना करने का प्रयास करना चाहिए,जो परिस्थितियाँ हमारे बस में ना हों उनके लिए अधिक चिंतित हम ना हों। वे समय के साथ खुद ब खुद सामान्य हो जाएँगे। हर हालत में धैर्यवान बने रहकर ईश्वर अल्लाह (समय) पर भरोसा करना चाहिए।समय से बलवान कोई

स्वर्ग के बाद अब देवभूमि को निशाना बनाने का षडयंत्र

का चोला ओढ़ लिया है। उल्लेखनीय है कि विगत कुछ वर्षों में ही उत्तराखण्ड की धरती पर हजारों मजारें बना लीं गई है, सैकड़ों मस्जिदें तैयार हो गई हैं, मदरसों ने आकार ले लिया है। अचानक आई मुस्लिम आबादी की बाढ से वहां का सामाजिक ढांचा तक तहस-नहस होता दिख रहा है। देवभूमि में इन दिनों अनगिनत मांस की दुकानें, कसाईखाने और अनजाने लोगों की बसाहट देखी जा सकती है। एक सर्वे में पता चला है कि वहां पर मुसलमानों में नाम बदलने एक फैशन चल निकला है। अनेक दस्तावेजों में हिन्दू नाम वाले व्यक्ति की बल्दियत मुस्लिम नाम के साथ जुड़ी है। पंकज पुत्र मोहम्मद सलीम जैसे नामों वाले दस्तावेज बनाये जा रहे हैं जो आगे चलकर सुनील पुत्र पंकज के रूप में स्वतः परिवर्तित हो जायेंगे। पहचान छुपाकर बनाये जाने वाले प्रमाण पत्रों का सिलसिला तो दसियों साल से चल रहा है। लम्बे समय से तीर्थ यात्रा कराने वाली एक कम्पनी के पुराने नुमाइदे के अनुसार इस बार की उत्तराखण्ड

जातिगत जनगणना के केन्द्र सरकार के फैसले के अलग अलग पहलुओं पर विचार करने से पहले एक पंक्ति का यह निष्कर्ष बता देना जरूरी है कि यह एक दूरदर्शी फैसला है, जिसे पर्याप्त विचार विमर्श के बाद देशहित को ध्यान में रख कर किया गया है। यह भी समझ लेना चाहिए कि यह कोई तात्कालिक फैसला नहीं है और राजनीतिक लाभ हानि अपनी जगह है परंतु इसका राजनीति से कोई लेना देना नहीं है। ऐसा नहीं है कि राजनीति को ध्यान में रख कर या किसी विपक्षी पार्टी का एजेंडा छीन लेने या किसी बड़ी घटना से ध्यान भटकाने के लिए यह फैसला हुआ है। यह एक सोचा समझा फैसला है, जो देश के पिछड़े, दलित, आदिवासी और वंचित समूहों के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता और उनके संकल्प को प्रतीकित करता है। सर्वप्रथम इस बात पर विचार करें कि इस निर्णय की क्या आवश्यकता थी। वास्तविकता यह है कि दशकों तक देश में सरकार चलाने वाली कांग्रेस पार्टी ने इस आवश्यकता की अनदेखी की थी। ध्यान रहे जितने आवश्यक कार्यों की अनदेखी कांग्रेस सरकारों ने की है उनको पूरा करने की ऐतिहासिक भूमिका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निभानी है। चूंकि कांग्रेस की सरकारों ने समय पर यह फैसला नहीं किया इसलिए सरकार ने आगे बढ़ कर यह फैसला किया है। सरकार पिछड़े और वंचित समूहों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं चला रही है लेकिन ज्यादातर योजनाओं को लेकर नीतियां अनुमानों के आधार पर बनी हैं। किसी को पता नहीं है कि वास्तव में किस जातीय समूह की कितनी आबादी है। न तो जातियों की वास्तविक संख्या पता है और न उनकी आर्थिक, सामाजिक स्थिति का पता है। कांग्रेस ने नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने 2011 की जनगणना में सामाजिक, आर्थिक गणना के जरिए जातियों और उनकी आर्थिक

स्थिति के आंकड़े जुटाए थे। लेकिन पता नहीं किस दबाव या किस तुष्टिकरण की सोच में उसने आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए। आज कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी पिछड़ी जातियों के हितों की बात कर रहे हैं लेकिन उनकी सरकार ने 2011 में जुटाए जातियों के आंकड़े क्यों नहीं सार्वजनिक किए या उन आंकड़ों के आधार पर नीतिगत फैसले क्यों नहीं किए इसका कोई जवाब उनके पास नहीं है। असल में यह कांग्रेस की सोच का दोहरापन है। आखिर कांग्रेस की सरकारों ने ही 10 साल तक मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू होने से रोके रखा और उसके बाद जब जाति गणना कराई तो उसके आंकड़े नहीं जारी किए। इसका अर्थ है कि कांग्रेस को कभी भी पिछड़ी जातियों, दलित व आदिवासी समुदाओं और वंचित समूहों का भला करना ही नहीं था। उसको सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करनी थी। जातियों के आंकड़े नहीं होने और आर्थिक स्थिति की ठोस जानकारी नहीं होने की वजह से सभी जातियों का आरक्षण अनुमानित आधार पर दिया गया है। अब जातिगण गणना होगी और सरकार के सामने वास्तविक आंकड़े होंगे तो उनके आधार पर आरक्षण का फैसला होगा। मिसाल के तौर पर अंग्रेजों के जमाने में 1931 में हुई जनगणना के मुताबिक बिहार में पिछड़ी जातियों की आबादी 52 फीसदी थी, लेकिन बिहार सरकार ने जनगणना कराई तो पिछड़ी जातियों की आबादी 63 फीसदी निकली। सी साल और पुराने आंकड़े और ताजा आंकड़े में 11 फीसदी का अंतर है। जाहिर है राष्ट्रीय स्तर पर भी अलग अलग जातियों की संख्या के अंतर होगा। संख्या कम हुई होगी या ज्यादा हुई होगी। अगर वास्तविक आंकड़ा सामने होगा तो उस आधार पर आरक्षण दिया जाएगा। ऐसे ही आरक्षण के प्रावधान में क़्रीमी लेयर का प्रावधान किया गया है। यह सीमा तय की गई है कि आठ लाख रुपए से ज्यादा की सालाना आय वाली पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ नहीं

एक पहाड़ी पर खड़े एक मुस्लिम परिवार

तो, जब भी हम अपने जीवन में कमजोर होते हैं, चाहे वह कमजोरी शारीरिक हो।आर्थिक हो या मानसिक हो उस वक्त हमारा मन दुर्बल होता है तथा हम परिस्थितियों से संघर्ष करने में कमजोर होते हैं। अतः ऐसी स्थिति में हमारे ऊपर परिस्थितियों को हम हावी होने देते हैं यदि हम चाहते हैं कि हमारे ऊपर परिस्थितियां हावी ना हो तो हमको अपने आप को मानसिक रूप से बहुत सफल बनाए रखना होगा। जिंदगी में कहीं बार ऐसे पड़ाव, वक्त आता है कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं समझ में ही नहीं आता,उस परिस्थितियों में हमको सफल रखना हैं, खुद से बातें करना हैं, खुद को एकांत में लाने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि यहीं वह समय हैं जब हम खुद को समझ सकते हैं, हमारे अंदर रहा सामर्थ्य को पहचान सकते हैं, हमारी क्षमता को समझ सकते हैं,और जरूरी है सकारात्मक बने रहना। प्रतिकूल परिस्थितियों में अगर हमारा अपने दिल और दिमाग पर काबू है तो हमको किसी की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी तो सबसे पहले हमको स्टूंग रखने के लिए अपने दिल और दिमाग को अपने काबू में रखना पड़ेगा अगर वह काबू में आ एग तो हम किसी भी परिस्थिति का सामना कर पाएंगे। साथियों बात अगर हम खुद के अनुसार

बाद अब देवभूमि उत्तराखण्ड को रक्त रंजित करके गजवा-ए-हिन्द का एक बार फिर ऐलान करने के मसूबों की जानकारी मिल रही है। सूत्रों के अनुसार आतंकियों ने फर्जी दस्तावेजों का सफाया असम्भव नहीं के रूप में पंजीकरण भी करवाया है, घोडाघान के रूप में भी रजिस्टर्ड हुए हैं और गरीब बनकर छोटी-छोटी दुकानें भी लगा लीं हैं। सघन जांच होने, संदिग्धों की पडताल होने और कार्यवाही होने पर साम्प्रदायिक रंग देने की सभी तैयारियां भी पूरी कर लीं गई है जिनमें अनेक खड्गधारियों, काले कोटधारियों, कथित बुद्धिजीवियों, बनावटी समाजसेवियों, दंबंग प्रभावशालियों की सक्रिय भूमिकियां निर्रातिर हो चुकी हैं। कार्यपालिका के एक बड़े वर्ग की लापरवाही और मनमानियों से तैयार होने वाले दस्तावेजों की आड में षण्ढेदहियों की जमातें निरंतर तैयार हो रही हैं। अहमदाबाद हो या पश्चिम बंगाल, मणिपुर हो या मिजोरम, केरल हो या कर्नाटक। चारों ओर

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

एक पहाड़ी पर खड़े एक मुस्लिम परिवार

जातिगत जनगणना: दूरदर्शी फैसला

मिलेगा। यह सीमा पिछड़ी जातियों की आर्थिक स्थिति के वास्तविक आंकड़ों के बगैर तय की गई है। अब सामाजिक, आर्थिक गणना में उनकी आर्थिक स्थिति की वास्तविकता सामने आएगी तो उस आधार पर क़्रीमी लेयर की सीमा भी तय होगी। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ पिछड़ी या दलित जातियों के लिए होगा, बल्कि सामान्य वर्ग की जातियों को भी 10 फीसदी आरक्षण मिल रहा है। उनके लिए भी आठ लाख रुपए की सालाना आय की सीमा तय की गई है। उनकी आबादी और उनकी आर्थिक स्थिति के आंकड़े सामने आएंगे तो आरक्षण का प्रतिशत और क़्रीमी लेयर के बारे में फैसला वैज्ञानिक तरीके से किया जा सकेगा।

जातिगत जनगणना से जाति की संख्या और उसकी आर्थिक स्थिति की जानकारी तो मिलेगी ही साथ ही यह भी पता चलेगा कि अभी तक की आरक्षण की व्यवस्था का लाभ किन जातियों को कितना मिला है। उन आंकड़ों के आधार पर यह पता चल पाएगा कि कौन सी जाति आरक्षण की व्यवस्था से ज्यादा सशक्त हुई है और कौन सी जातियां आरक्षण की व्यवस्था का लाभ लेने से वंचित रह गई हैं। वास्तविक आंकड़ों के आधार पर ज्यादा जरूरतमंदों के लिए अतिरिक्त आरक्षण की व्यवस्था की जा सकेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव के दौरान अनुसूचित जाति के आरक्षण में वर्गीकरण का वादा किया था। इस वादे को पूरा करने का काम भी शुरू हो गया है।

इससे उन जातियों की पहचान होगी, जिनको आरक्षण की ज्यादा जरूरत है। चूंकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आंकड़े हर जनगणना में जुटाए जाते हैं इसलिए उनके वर्गीकरण का एक ठोस आधार है। कांग्रेस की सरकारों की अनदेखी के कारण पिछड़ी जातियों के बारे में ऐसी कोई ठोस जानकारी नहीं है। जातिगत गणना के आंकड़े आने के बाद सरकार अपेक्षाकृत ज्यादा कमजोर जातियों को सशक्त बनाने का फैसला वैज्ञानिक तरीके से कर पाएगी।

एक पहाड़ी पर खड़े एक मुस्लिम परिवार

परिस्थितियों को बदलकर इतिहास रचने की करें तो, हमें ऐसे व्यक्ति बनना है जो परिस्थितियों के अनुसार खुद नहीं बल्कि खुद के अनुसार परिस्थितियों को बदल डाले इसलिए पुनःप्रयास करें और तब तक करते रहें जब तक हम उस परिस्थिति को बदल न दे। हमें अपनी परिस्थिति को सुधारने का भरसक प्रयत्न करना और उसके मार्ग में आने वाले संकटों का धैर्यपूर्वक मुकाबला करना चाहिए,पर यदि इच्छाओं के अनुसार हमारी परिस्थिति में किसी अज्ञात कारणवश शीघ्र वॉिल्ट परिवर्तन या सुधार नहीं होता है, तो हमें घबराकर प्रयत्नों को नहीं छोड़ देना चाहिए बल्कि दुपुनः उत्साह के साथ हमें अपने उद्देश्य-प्राप्ति में जुटे रहना चाहिए। ऐसे समय में हमें अपने आत्म मित्र एवं हितचिंतकों से इस विषय में परामर्श और मार्गदर्शन प्राप्त करने का प्रयत्न करना चाहिए संभव है उनकी सुझबुझ और सहायता से हमारे संकट का निवारण हो जाए। समस्या को हम अपने परिवार के सदस्यों के सन्मुख उपस्थित कर उनकी सलाह भी ले सकते है। इस प्रकार हमें कहीं न कहीं से ऐसे प्रेरक विचार मिल जायेंगे, जिनके द्वारा हम अपनी परिस्थितियों को बदल सकेंगे।

एक पहाड़ी पर खड़े एक मुस्लिम परिवार

घुसपैठियों को नागरिक के रूप में स्थापित करने वाले मीर जाफरों की प्रचुर मात्रा में उपस्थिति है। देश के कोने-कोने में फैले इस नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचे बिना आतंकवाद का सफाया असम्भव नहीं तो कठिन अवश्य है। मजहबी तालीम के नाम पर काफ़िरों की नरतनावृत करने हेतु तैयार की जा रही जमातें अब अपने असली मसूबों को सफल करने में जुट गई हैं। इन सबके पीछे विदेशियों की जहरीली सोच, हथियार निमातार्तों का व्यवसायिक हित और विस्तारवादियों की महात्वाकांक्षाओं जैसे कारक लम्बे समय से सक्रिय हैं। दूसरों पर प्रहार करने वालों पर जब उन्हीं की बिल्ली प्याऊं करने लगती है तब वे अपनी मनमर्जी से गुण्डागर्दी पर उतर आते हैं। दूसरे देशों की सीमाओं में घुसकर अपने दुश्मन की समाप्त कर देते हैं परन्तु जब कोई दूसरा देश ऐसा करता है तो फिर कूटनीतिक पहल, शान्ति का रास्ता, बातचीत की आवश्यकता के उपदेश दिये जाने लगते हैं।

एक पहाड़ी पर खड़े एक मुस्लिम परिवार

घुसपैठियों को नागरिक के रूप में स्थापित करने वाले मीर जाफरों की प्रचुर मात्रा में उपस्थिति है। देश के कोने-कोने में फैले इस नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचे बिना आतंकवाद का सफाया असम्भव नहीं तो कठिन अवश्य है। मजहबी तालीम के नाम पर काफ़िरों की नरतनावृत करने हेतु तैयार की जा रही जमातें अब अपने असली मसूबों को सफल करने में जुट गई हैं। इन सबके पीछे विदेशियों की जहरीली सोच, हथियार निमातार्तों का व्यवसायिक हित और विस्तारवादियों की महात्वाकांक्षाओं जैसे कारक लम्बे समय से सक्रिय हैं। दूसरों पर प्रहार करने वालों पर जब उन्हीं की बिल्ली प्याऊं करने लगती है तब वे अपनी मनमर्जी से गुण्डागर्दी पर उतर आते हैं। दूसरे देशों की सीमाओं में घुसकर अपने दुश्मन की समाप्त कर देते हैं परन्तु जब कोई दूसरा देश ऐसा करता है तो फिर कूटनीतिक पहल, शान्ति का रास्ता, बातचीत की आवश्यकता के उपदेश दिये जाने लगते हैं।

एक पहाड़ी पर खड़े एक मुस्लिम परिवार

दूसरों के बारे में देखने से क्या फायदा

इसलिए यह समझ लेने की जरूरत है कि यह कोई मामूली फैसला नहीं है। यह बहुत बड़ा, ऐतिहासिक, दूरदर्शी और देश के करोड़ों करोड़ लोगों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन लाने वाला निर्णय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह निर्णय किया है तो निश्चित रूप से इसके सभी पहलुओं और आयामों पर विचार करने के उपरांत ही यह निर्णय किया है। उनकी सोच के अनुरूप इस निर्णय के अनुपालन से देश में बहुत सी चीजें बदल सकती हैं। सरकार अगली जनगणना के साथ ही जातियों की गिनती भी कराएगी। उसके साथ ही वर्षों से लंबित राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर यानी एनआरसी की परीयोजना को भी लागू कर देना चाहिए। जब सरकारी कर्मचारी नागरिकों की गिनती करेंगे, उनकी जाति व धर्म पूछेंगे, उनके रोजगार, काम धंधे, संपत्ति की जानकारी जुटाएंगे, उनके घरों की गिनती करेंगे तो साथ साथ कुछ और जानकारी जुटाई जा सकती है।

उनके और उनके पूर्वजों के जन्मस्थान की जानकारी भी पूछी जा सकती है ताकि देश के अलग अलग हिस्सों में रह रहे बाहरी नागरिकों की पहचान की जा सके। ध्यान रहे यह भारत की एक बड़ी समस्या है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद जब पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान शुरू की गई है तो पता चल रहा है कि हजारों विदेशी लोग किसी न किसी तरीके से भारत में रह रहे हैं। अगली जनगणना में पाकिस्तानियों के साथ साथ बांग्लादेश और म्यांमार के घुसपैठियों की भी पहचान सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि उन्हें देश से निकाला जा सके। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे प्राथमिक आवश्यकता है। इसके साथ ही सरकार सबकी पहचान के लिए एक नागरिकता नंबर का नियम भी बना सकती है। आधार, पैन और इपिक यानी वोटर आई कार्ड के अलग अलग नंबर की जगह एक नंबर नागरिकों को दिया जाना चाहिए और उसके साथ उसकी पूरी बायोमेट्रिक डिटेल्स होनी चाहिए।

-संजय गोस्वामी-

अक्सर आजकल लोगों को दूसरे के बारे में ज्यादा सोचते हैं उसने ए घर ले लिया उसके पास सबकुछ है मेरे पास कुछ नहीं और अपनी चादर से अधिक पर फैलाते हैं जिससे उसे आर्थिक संकट पैदा होती है उसे क्या मिला जो मिला वो उसके कम और भाग्य के कारण मिला जिससे आपकी ना मिलने पर कुंठा अर तब जाती है दूसरों को नौकरी मिला अच्छी बात है मेहनत की और मिला लेकिन आप हमेशा उस भगवान राम को ध्यान कीजिये आप दूसरे के बारे में तालाना छोड़ कर सच्चाई को जानने की कोशिश करेंगे ए संसार मिथ्या है भ्रम में फंसा है आप उससे बाहर निकल कर ईश्वर का ध्यान करें कुछ भी नहीं तो शान्ति अवश्य मिलेगी ईसान को बनाया ईश्वर ने ज्ञान भी दिया लेकिन ज्ञान को एक जगह संचित नहीं करने से दिमाग भटकने लगता है और वो अपने से तुलना कर और भी निराश या अधिक होने पर खुशी में रहता है अब आप सतर्क हो जाए क्योंकि आपके पास जो समय मिला है वो बहुत ही कम है जिंदगी एक नाटक की तरह जिसमें सब अपना रोल प्ले करते हैं लेकिन यदि कोई अन्धा रोल कर रहा हो तो उसके बारे में सोच कर डर से अपना रोल भूल जायेंगे और मंच पर आप खुद मजाक के पात्र बन जायेंगे आप ईश्वर पर ध्यान कीजिये भगवान श्री राम पर ध्यान करें ध्यान भटक रहा है तो कुछ समय के लिए बेकार की बातों को सोचना छोड़ दीजिये मुझे क्या करना है वो नेक और पवित्र होना चाहिए विचार सही होगा तो तनाव नहीं होगा सुख और दुःख जीवन में आते रहते हैं जीवन बहुत मुश्किल से मिला है लेकिन यदि कोई अन्धा रोल कर रहा है तो उसके बारे में सोचेंगे इसपर ध्यान देने से आपकी पंशानी और ज्यादा बड़ेगी अतः मन को शांत कर एकाग्र होने की कोशिश करें हमेशा अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें क्योंकि अगर आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा तो आप दूसरे पर निर्भर करेंगे और मैं बता रहा हूँ उस समय झेलाना आपको पड़ेगा जो कष्टदाई होगा इस जगत में जब सब एक दिन नस्ट होने वाला है तो क्यों न जो सत्य है उसपर ध्यान दें इसलिए प्रभु राम का ध्यान कीजिये और खुश रहें क्योंकि अंत में उन्ही का नाम सत्य होता है जो सभी बंधनों से मुक्त और सदा आपको गलत चीजों से बचाता है संस्कार अच्छा रहेगा तो सब कुछ मिलेगा कोई बहुत बड़ा आदमी क्यों न हो संस्कार ठीक नहीं हैं तो सब बेकार मान लीजिये बड़ा आदमी है लेकिन रोज शराब की लत में डूबा है उसके दिमाग में यही चल रहा है कौन सा विस्की, स्कॉच, वाइन, बियर ठीक है और कितना दाम है वो दूसरों पर क्या ध्यान देगा अतः उसे शराब से प्यार है आपसे नहीं और ऐसे आदमी नशे की हालत में कुछ भी बोल सकता है जिससे आपकी प्रतिष्ठा को केवल पर तक ही नहीं मोल्लेले में सुनाएगा जिससे आपकी भारी बदनामी होगी ऐसा मार पिट कर रोड पर पिड़ा रहेगा बताएंगे आपकी और परिवार की क्या इज्जत रहेगी सिर्फ पैसा ही सबकुछ नहीं हैं आप अपनी आय से कितना बचा लेते हैं यही आखिर आपको अंत में काम आएगा खर्च करना बहुत आसान है बचाना मुश्किल जरूर है लेकिन यही आपके बुरे ब्रह्म में काम आएगा सीखना है तो भगवान श्री राम से सीखें,राम को वीरता, सही काम करने और एक आदर्श पुत्र और पति होने के लिए जाना जाता है। इसके अलावा, वह बहुत मयादां का पालन करस्थ और असाध्य से नहीं डरने का साहस था इसलिए वो महान वीर थे, जैसा कि सीता के पिता द्वारा शिव के धनुष को मोड़ने की चुनौती से देखा जा सकता है। वह इसे तोड़ सकते हैं। भगवान राम विष्णु के अवतार हैं। हिंदू धर्म के कुछ संप्रदायों, जैसे वैष्णव धर्म में, विष्णु सर्वोच्च देवता हैं और उनके सभी अवतारों की पूजा की जाती है। स्वामी विवेकानंद भगवान श्री राम के ध्यान में ऐसा डूबे की उन्हें ईश्वर का साक्षात रूप दिखा स्वामी विवेकानंद ने उन्हें ईश्वर के रूप में माना है और विभिन्न असरों पर अपने व्याख्यानों में श्रीराम कथा के पात्रों विशेषकर श्रीराम, माता सीता और श्रीहनुमान आदि के चरित्र का बखान करते हुए मुक्त चैट से उनकी प्रशंसा की। 2 सितंबर 1897 को मद्रास (अब के चेन्नई) के विक्टोरिया हॉल में उन्होंने कहा था:हमें बस राम के पुल के निर्माण में उस गिलहरी की तरह बनना चाहता हूँ, जो पुल पर अपनी थोड़ी सी रेत-धूल डालकर काफी मजबूत थी। भगवान श्री उनमें अलौकिकता एवं धीरोदत नायक की विशेषताएं राम में भी वे सामान्य मनुष्यो की तरह जीवत जीते है। सामान्य मनुष्यो के सामने एक आदर्श प्रस्थापित करने के लिए प्रभु जीवन जीने की राह दिखाते है।

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई

दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार

प्रातः 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

एक पहाड़ी पर खड़े एक मुस्लिम परिवार



जयपुर में देर शाम बदला मौसम :बारिश के साथ गिरे ओले, भीलवाड़ा, जैसलमेर, पाली सहित कई जिलों में आंधी- बारिश

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते राजस्थान में गुरुवार को एक बार फिर मौसम बदल गया है। इसके असर राजधानी जयपुर सहित जैसलमेर, भीलवाड़ा, पाली में आंधी के साथ बारिश हुई और कई जगह पर ओले भी गिरे। राजधानी जयपुर में दिनभर तेज धूप के बाद शाम को अचानक मौसम बदला। पहले धूल भरा गुबार आसमान में छाया और फिर बिजली चमकने के साथ ही चारों ओर बादल छ गए और फिर कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हुई। इसके साथ ही शहर के विद्याधर नगर सहित कुछ स्थानों पर ओले भी गिरे। बारिश के बाद लोगों ने तेज गर्मी से राहत महसूस की। जयपुर के नजदीक के इलाकों में भी मौसम बदला। चोमूं में भी तेज आंधी के साथ बारिश हुई। ईटावा भीपजी गांव में ओले भी गिरे। जोधपुर, चित्तौड़गढ़, जयपुर सहित कई जिलों में बादल छाए। इसके कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश के सभी शहरों में दोपहर तक आसमान साफ रहा और तेज धूप रही, लेकिन शाम होते-होते मौसम में बदलाव देखने को मिला। इससे पहले जयपुर, अजमेर, गंगानगर, बाड़मेर सहित सीमावर्ती जिलों में तेज गर्मी रही और पारा 43 डिग्री के पार दर्ज किया गया। सबसे अधिक तापमान जैसलमेर में 46.7 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में भी दिनभर तेज धूप और लू के असर के बीच अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आज इन जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने शुक्रवार को जयपुर समेत 30 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। जैसलमेर, जोधपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़ और झुंझुनूं जिले में तेज आंधी चलने तथा कुछ स्थानों पर बारिश के साथ ओले गिरने की चेतावनी जारी करते हुए अर्रिज अलर्ट जारी किया है। जबकि शेष सभी जिलों प्रतापगढ़, डूंगरपुर और बांसवाड़ा को छोड़कर सभी के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

एसएमएस अस्पताल में लापरवाही की हद : सर्जिकल यूनिट की छत से गिरा प्लास्टर, मरीज गंभीर घायल

जयपुर। सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के सर्जिकल यूनिट थर्ड में छत का प्लास्टर गिर गया। इससे इस वार्ड में भर्ती एक मरीज गम्भीर रूप से घायल हो गया। घटना से वहां मौजूद अन्य मरीजों, उनके परिजनों और स्टाफ के सदस्यों में हड़कंप मच गया। इस घटना से चोंटिल हुए एक मरीज के चेहरे पर गहरे जख्म हो गए। उसके होट, सिर और आंख के पास कट लग गया, जिससे काफी खून निकल गया। हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी का कहना है कि इस घटना में दो मरीजों के चोट आई है।

डॉ. भाटी ने बताया- दोनों मरीजों को चोट लगने के बाद ट्रीटमेंट दे दिया है और उनको दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। सर्जरी डिपार्टमेंट की एचओडी डॉ. ओम प्रभा ने बताया कि घायल हुए दोनों मरीजों को घटना के बाद हाथों-हाथ ओटी में लेकर गए और दोनों के घावों का उपचार करके उनके टांके लगाए गए है। उन्होंने बताया- दोनों मरीज अब ठीक है। वहीं अस्पताल कमियों का कहना है कि, जो हिस्सा गिरा वह देखने में बिल्कुल ठीक लग रहा था। वहां से न कोई लीकेज था और न ही कोई सीलन जैसी स्थिति, लेकिन आज सुबह अचानक डकैतिक के पास एक बड़ा हिस्सा अचानक तेजी से गिरा और सीधे मरीज पर गिरा। इस कारण दो पलंग भी टूट गए और एक टेबल टूट गई।

किराना शॉप में भीषण आग : लाखों का नुकसान, 20 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू

जयपुर। जयपुर के टोंक रोड स्थित सीताबाड़ी इलाके में गुरुवार दोपहर एक किराना शॉप में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि दुकान के साथ-साथ ऊपर बने गोदाम में रखा लाखों रुपए का सामान भी जलकर खाक हो गया। घटना के समय दुकान में मौजूद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग ने जल्द ही विकराल रूप ले लिया। शॉप मालिक संजय अग्रवाल ने रोज की तरह सुबह दुकान खोली थी। दोपहर करीब 11 बजे दुकान के अंदर अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ जिससे आग भड़क उठी। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि लोगों को तुरंत बाहर निकलना पड़ा। आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और तुरंत फायर स्टेशन को सूचना दी गई।

दुग्ध डेयरी सहकार से समृद्धि, राजस्थान में दुग्ध क्रान्ति 2.0 के नये कीर्तिमान - सरस घी की बिक्री में तोड़े सारे रिकॉर्ड

जयपुर,। राजस्थान राज्य में दुग्ध डेयरी सहकार से समृद्धि का सपना साकार होने लगा है। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन और उससे सम्बद्ध जिला दुग्ध संघों ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में लाभ के सभी पैमानों, टर्नओवर, सरस घी और दुग्ध उत्पादों की बिक्री, महिलाओं की दुग्ध क्षेत्र में सहभागिता, राजस्व ग्राम तक दुग्ध सहकारी समितियों की पहुँच आदि के क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। फैडरेशन की सफलताओं के पीछे सरस अमृतम, दुध का दुध पानी का पानी और एक जिला एक उत्पाद जैसे अभियान और सरस घी के सभी पैक्स में क्यूआर कोड और राज्यभर में एक साथ सरस मिठाई का विपणन जैसे नवाचारों का अहम योगदान रहा है।

राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की प्रशासन और प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 आरसीडीएफ एवं सम्बद्ध जिला दुग्ध संघों ने रिकार्ड 400.85 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है जो फैडरेशन की स्थापना के 47 वर्षों में सर्वाधिक है। उन्होंने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में यह लाभ 298.61 करोड़ रुपये था। इस प्रकार आरसीडीएफ के



कुल लाभ में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने बताया कि आरसीडीएफ के पशु आहार संयंत्रों में कच्चे माल के क्रय मूल्य में भारी कमी और संयंत्रों की उत्पादन लागत में कमी के कारण पशु आहार संयंत्रों के लाभ में भी 77 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में आरसीडीएफ के पशु आहार

संयंत्रों सहित सभी इकाईयों का लाभ 65.44 करोड़ रुपये था जो बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 116.07 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। आरसीडीएफ एवं जिला संघों का टर्नओवर पहुँचा 10 हजार करोड़ रुपये के करीब भारद्वाज ने बताया कि आरसीडीएफ के 47 वर्षों के इतिहास में पहली बार आरसीडीएफ

निवेश के माध्यम से रोजगार सृजन और राजस्व वृद्धि हमारा लक्ष्य : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा



जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने एवं रोजगार सृजन के लिए अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में विभिन्न निवेश अनुकुल नीतियां जारी की तथा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया। जिससे प्रदेश में औद्योगिक विकास और उद्यमिता के माहौल में बदलाव आया है।

मुख्यमंत्री निवास पर ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन (बीआईपी) की समीक्षा बैठक की

अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेश प्रस्तावों का मूल्यांकन करते हुए धरातल पर इनकी प्रगति एवं इससे मिलने वाले रोजगार की मॉनिटरिंग करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिस्-2024) के माध्यम से निवेशकों को विभिन्न रियायतें एवं आवश्यक सुविधाएं प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि रिस् के परिलाभ के अतिरिक्त कस्टमाइज पैकेज में शामिल किए जाने वाले

निवेश प्रस्तावों का विस्तृत अध्ययन किया जाए। शर्मा ने कहा कि राज्य के राजस्व एवं रोजगार के अवसरों में वृद्धि के लिए राज्य सरकार ऐसे निवेशकों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, जो तय समय सीमा में निवेश की प्रगति को लेकर गंभीर हैं। उन्होंने विस्तार से संबंधित निवेश प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए इनकी प्रगति की स्थिति के आधार पर परिलाभ दिए जाने के संबंध में निर्देश दिए।बैठक में उद्योगों को देय पैकेज, रियायत,

छूट तथा अन्य सुविधाओं के संबंध इस दौरान मुख्य सचिव सहित जल उद्योग एवं खान विभाग के में आए प्रस्तावों पर चर्चा की गई। संसाधन, वित्त, राजस्व, ऊर्जा, उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सहकारिता विभाग की स्टेट अपेक्स कमेटी की प्रथम बैठक

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि जरूरतमंद व्यक्ति सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो सके। इस संकल्प को गति देने में सहकारिता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सहकारी से समृद्धि की भावना के साथ राज्य सरकार प्रदेश के सभी गांवों को समृद्ध एवं खुशहाल बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने सहकारी संस्थाओं की ओर से बने उत्पादों की ब्रांडिंग करने के निर्देश दिए, जिससे समितियों की आय में बढ़ोतरी हो सके। सीएम गुरुवार को सीएमआर पर सहकारिता विभाग की स्टेट अपेक्स कमेटी की प्रथम बैठक को संबोधित कर रहे थे।

ज्यादा से ज्यादा लोगों को सहकारिता से जोड़े

सीएम ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसी के तहत ज्यादा से ज्यादा लोगों को सहकारिता से जोड़ने के लिए विभाग द्वारा जन जागरूकता अभियान, सहकार मेले, सदस्यता अभियान और कार्यशालाओं सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। सहकारिता के साथ ही कृषि, राजस्व, पंचायती राज, ग्रामीण विकास एवं पशुपालन जैसे ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े समस्त विभाग भी इन कार्यक्रमों में अपना सक्रिय योगदान दें। गोदामों को छातों पर सोलर पैनल लगाए जाएं तथा फसलों की स्टोरेज के संबंध में कैलेण्डर भी जारी किया जाए। बैठक में सहकारिता विभाग की गतिविधियों के संबंध में लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री को सहकारिता मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का मोमेंटो एवं विभागीय अधिकारियों ने सहकारिता से बने विभिन्न उत्पाद भी भेंट किए।

राजकार्य में बाधा के 20 साल पुराने मामले में नरेश मीणा बरी

जयपुर की एमएम-12 कोर्ट का फैसला, स्वतंत्र गवाह और परिव्रादी की अनुपस्थिति बनी वजह

जयपुर। दो दशक पुराने राजकार्य में बाधा डालने के एक मामले में जयपुर महानगर प्रथम की एमएम-12 अदालत ने देवली-उनियारा से उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी रहे नरेश मीणा को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। न्यायिक मजिस्ट्रेट खुशबू परिहार की अदालत ने माना कि पुलिस स्वतंत्र गवाह पेश करने में विफल रही, वहीं परिव्रादी पुलिस कांस्टेबल भी ट्रायल के दौरान अदालत में पेश नहीं हुआ।

आज टोंक सेंट्रल जेल में बंद नरेश मीणा को अदालत में पेश किया गया। ज्ञात हो कि वे उपचुनाव के दौरान एसडीएम से

हाथपाई सहित अन्य मामलों में न्यायिक हिरासत में हैं।

मामला 5 अगस्त 2004 का है। पुलिस के अनुसार जयपुर यूनिवर्सिटी परिसर में दोपहर 1 बजे मार कार्यक्रम चल रहा था। महिला पांडाल के प्रवेश द्वार पर तैनात कांस्टेबल मानसिंह और अन्य पुलिसकर्मियों ने जब नरेश मीणा, मान सिंह मीणा और उनके साथियों को स्टेंज की ओर जबरन बढ़ने से रोका, तो विवाद उत्पन्न हुआ। पुलिस का आरोप था कि मीणा ने भीड़ को उकसाया और पथरबाजी की घटना में एक कांस्टेबल की आंख के ऊपर चोट लग गई।

इस मामले में गांधी नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, लेकिन ट्रायल के दौरान परिव्रादी कांस्टेबल पेश नहीं हुआ और न ही पुलिस किसी निष्पक्ष गवाह को सामने ला सकी।

नरेश मीणा की ओर से अधिवक्ता अब्दुल वाहिद नकवी ने बहरस के दौरान तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष के सभी गवाह पुलिसकर्म हैं, जो संदेह से परे नहीं माने जा सकते। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि जिस स्थान पर घटना हुई, वहां मौजूद छात्र और शिक्षकों में से किसी को भी गवाह नहीं बनाया गया। इसके अलावा न तो मौका-

नक्शा बनाया गया, न ही मेडिकल रिपोर्ट रोजनामचे में दर्ज की गई। वकील ने सुप्रीम कोर्ट की एक फाईंडिंग का हवाला देते हुए कहा कि जब कोई पुलिसकर्मी ड्यूटी पर थाने से बाहर जाता है, तो उसकी जानकारी रोजनामचे में दर्ज होना अनिवार्य है। अदालत ने इन सभी तर्कों को स्वीकार करते हुए कहा कि ंप्रकरण में अभियोजन पक्ष ठोस साक्ष्य पेश नहीं कर सका, जिससे आरोपित के खिलाफ अपराध प्रमाणित हो सके।- इस आधार पर कोर्ट ने नरेश मीणा को बरी करने का आदेश सुनाया।

1 से 30 मई तक चलेगा रास्ता खोलो अभियान, गौवंश की मौत का कारण बरसों से बंद पड़े रास्ते खुलेंगे



झुंझुनूं। गांवों में कई सालों से बंद रास्तों को अब खुलवाया जाएगा। इसके लिए एक मई से अभियान चलाया जाएगा। 30 मई तक चलने वाले इस अभियान का नाम 'रास्ता खोलो अभियान-2025' दिया गया है। इस अभियान की प्रभावी तैयारी को लेकर बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर रामावतार मीणा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

विवादों में घिरें डॉ. अरुणा कुमार बनी डीएमई, जूनियर डॉक्टरों ने जताई आपत्ति

उन्होंने अधिकारियों को इस कार्य को मिशन मोड में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम अजय कुमार आर्य, झुंझुनूं एसडीएम हवाई सिंह यादव, तहसीलदार महेन्द्र मूंड सहित

राजस्व अधिकारी मौजूद रहे।

उपखंड अधिकारी होंगे प्रभारी अधिकारी

प्रत्येक उपखंड अधिकारी इस अभियान के प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे तथा अभियान की साप्ताहिक समीक्षा सुनिश्चित की जाएगी। रास्ते खुलवाने के कार्य में यदि पुलिस जापे की आवश्यकता हो, तो संबंधित अधिकारियों को पूर्व सूचना दी जाए ।

पंचायत करेगी सहयोग

अपने-अपने क्षेत्रों में रास्ता खोलने के लिए ग्राम पंचायतें आवश्यक संसाधन व

जनसहयोग उपलब्ध कराएंगी। रास्ते खुलवाने के बाद संबंधित ग्राम पंचायतें वहां ग्रेवल या सीसी रोड निर्माण की कार्यवाई सुनिश्चित करेंगी।

इनको प्राथमिकता दी जाएगी

-मुख्यमंत्री सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज बंद रास्तों की शिकायतें।

-राजस्व रिकार्ड में दर्ज वे सार्वजनिक रास्ते, जिनके बंद होने से बड़ी संख्या में काश्तकार या ग्रामवासी प्रभावित हैं।

-ऐसे प्रचलित रास्ते, जिनका उपयोग ढाण्यों में रहने वाले लोग करते हैं और जो अवरुद्ध हो चुके हैं।

-राजस्व रिकार्ड में चौड़े दर्ज रास्ते, जो मौके पर केवल पाइंडी के रूप में अस्तित्व में हैं, उन्हें वास्तविक चौड़ाई में पुनः निर्मित किया जाएगा।

-राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955 की धारा 251 के तहत निर्णीत रास्ते, जिनका क्रियाव्यवन अभी तक नहीं हुआ है।

-साथ ही जिन रास्तों का रिकार्ड में अंकन नहीं हुआ है, उनका भी अभियान के दौरान सर्वेक्षण कर रिकार्ड में दर्ज करने के कार्यवाही की जाएगी।

कोटा। शहर में सड़कों पर लावारिस हालत में घूम रहे अधिकतर गौवंश की मौत का कारण उनके पेट में जमा पॉलिथीन बन रही है। इसका खुलासा बुधवार को निगम की बंधा गौशाला में एक ही दिन में मरे एक दर्जन से अधिक गौवंश में से दो बैल के पोस्ट मार्टम से हुआ। उनके पेट से चारे की जगह पर पॉलिथीन के करीब 40 से 50 किलो के गुच्छे निकले। शहर में बड़ी संख्या में लावारिस हालत में गाय और सांड घूम रहे हैं। उनके द्वारा सड़कों पर पड़े कचरे व खाद्य सामग्री को खाकर ही पेट भरा जा रहा है। लेकिन हालत यह है कि वे उस कचरे व खाद्य सामग्री के साथ इतनी अधिक मात्रा में पॉलिथीन खा रहे हैं कि उनके पेट में चारे की जगह ही नहीं है।

12 की मौत, दो का पोस्टमार्टम नगर निगम कोटा दक्षिण के गौशाला समिति अध्यक्ष व पार्षद जितेन्द्र सिंह ने बताया कि गौशाला में वर्तमान में करीब 3 हजार से अधिक गौवंश है। गर्मी व चक्कर आकर गिरने की बीमारी से आए दिन गौवंश की मौत हो रही है। पिछले

कई दिन से गौवंश की मृत्यु दर बढ़ी है। सिंह ने बताया कि बुधवार को भी करीब एक दर्जन गाय व बैल की मौत हुई थी। उनमें से पशु चिकित्सा अधिकारी की मौजूदगी में दो बैल का पोस्ट मार्टम किया गया। जिनमें दोनों के ही पेट से काफी मात्रा में पॉलिथीन निकली है। यही उनकी मौत का कारण बताया जा रहा है।

40 से 50 किलो के निकले गुच्छे इधर वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी व प्रभारी जिला मोबाइल यूनिट डॉ. भंवर सिंह चौधरी ने बताया कि उनकी मौजूदगी में रैंडमली दो बैल का पोस्ट मार्टम निगम की गौशाला में किया गया। दोनों के ही पेट से करीब 40 से 50 किलो पॉलिथीन के गुच्छे निकले हैं। ये तो उदाहरण हैं। अधिकतर गौवंश की यही हालत है। डॉ. चौधरी ने बताया कि लावारिस हालत में घूमने पर गाय व बैल अधिकतर पॉलिथीन खा रहे हैं जिससे इनके पेट में चारे की जगह ही नहीं है। जब वे चारा नहीं खा पा रहे हैं तो उनमें कमजोरी आ रही है। साथ ही उनके लीवर डीमेज हो रहे हैं। यही उनकी मौत का कारण बन रहे हैं।

बहुउद्देशीय दुग्ध समितियों का गठन किया जा चुका है। योजना के अन्तर्गत नवगठित दुग्ध उत्पादक समितियों में 24435 महिला दुग्ध उत्पादकों को सदस्य बनाया गया है। योजना में कुल 581 दुग्ध समितियों का सुदृढ़ीकरण भी किया गया है जिससे इन समितियों से जुड़ी 5229 महिला दुग्ध उत्पादकों की आय में बढ़ोतरी हुई है। राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा के अन्तर्गत अब तक 557 नई दुग्ध समितियां और 1395 दुग्ध संकलन केन्द्रों का गठन किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना का बड़ा योगदान – राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन और इससे सम्बद्ध जिला दुग्ध संघों की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना का बड़ा योगदान है जिसके चलते दुग्ध उत्पादकों को राज्य सरकार की ओर से 5 रुपये प्रति लीटर की दर से अनुदान का भुगतान डीबीटी के माध्यम से सीधा उनके खातों में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 378.22 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

संक्षिप्त समाचार

इसाइल ने सीरिया के खिलाफ खोला मोर्चा, किए हवाई हमले ; राष्ट्रपति भवन के पास बरसाए बम



दमिश्क, एजेंसी। सीरियाई सरकार समर्थकों और अल्पसंख्यक डूज समुदाय में छिड़ी लड़ाई के बीच इसाइल ने सीरिया के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसाइल की वायु सेना ने शुक्रवार तड़के सीरिया में हवाई हमले किए। इसाइल ने सीरिया के राष्ट्रपति भवन के पास बम बरसाए। सीरिया की राजधानी दमिश्क के पास एक इलाके में सरकार समर्थकों और अल्पसंख्यक डूज समुदाय के लोगों के बीच झड़प हो गई थी। इसमें 10 लोगों की मौत हो गई। इसे लेकर इसाइल ने सीरियाई अधिकारियों को दक्षिणी सीरिया में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के गांवों की ओर न बढ़ने की चेतावनी दी थी। इसाइल की सेना ने एक बयान में कहा कि लड़ाकू विमानों ने दमिश्क में राष्ट्रपति हुसैन अल-शरा के महल के पास हमला किया। जबकि सीरियाई मीडिया ने कहा कि यह हमला शहर के ऊपर एक पहाड़ी पर स्थित पीपुल्स पैलेस के निकट हुआ था। इससे पहले भी सीरिया पर इसाइल ने बमबारी की थी। सीरिया के सूचना मंत्रालय ने कहा कि दो अलग-अलग हमलों में देश के सुरक्षा बलों के 11 सदस्य मारे गए। जबकि ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि साहनाया और दुज बहुल दमिश्क उपनगर जरामाना में झड़पों में 56 लोग मारे गए, जिनमें स्थानीय बंदूकधारी और सुरक्षा बल के लोग शामिल हैं।। राष्ट्रपति भवन के पास हमला करके इसाइल ने सीरिया के नृप नेतृत्व को कड़ी चेतावनी दी है। इससे पहले सीरिया के डूज आध्यात्मिक नेता शेख हिकमत अल-हिजरी ने सीरिया सरकार की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने सरकार समर्थकों की झड़प को अल्पसंख्यक समुदाय पर अतृपित नरसंहारक हमला बताया। ऐसे शुरू हुई लड़ाई डूज समुदाय के स्थानीय बंदूकधारियों और सरकार समर्थक लड़ाकों के बीच झड़प एक सोशल मीडिया ऑडियो विलप के चलते शुरू हुई, जिसमें एक व्यक्ति ने इस्लाम के पैगंबर मुहम्मद को लेकर बयानबाजी की गई। इस ऑडियो को एक डूज मौलवी से जोड़ा गया, लेकिन मौलवी ने इस आरोप से इंकार किया।

पोर्न एक्टर पर ब्रिटिश गे कपल की हत्या का आरोप :सिर काटकर फ्रीजर में रखा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एक पोर्न एक्टर पर आरोप है कि उसने एक गे कपल (समलैंगिक जोड़े) का सिर काट दिया और उनके टुकड़े कर दिए। इसके बाद कटे हुए सिरों को फ्रीजर में रख दिया और बाकी बॉडी पार्ट्स को सूटकेस में भरकर एक पुल से नीचे फेंक दिया। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक 35 साल के कोलंबिया पोर्न एक्टर योरिटेन आंद्रेस मोस्केरा पर आरोप है कि उसने 8 जुलाई, 2024 लंदन के शेफर्ड्स बुश इलाके के एक अपार्टमेंट में 71 साल के पॉल लॉन्गवर्थ और 62 साल के अल्बर्ट अल्फोंसो की हत्या कर दी। सरकारी वकील का दावा है कि मोस्केरा को 10 जुलाई की रात लंदन से 160 किमी दूर ब्रिस्टल शहर के फेमस विलपटन सस्पेंशन ब्रिज पर एक बड़े लाल सूटकेस के साथ देखा गया था। एक का हथौड़े से सिर फोड़ा, दूसरे को चाकू मारा आरोपी ने पहले लॉन्गवर्थ के सिर पर हथौड़े से कई हमले किए, जिससे उसका सिर फूट गया था। इसके बाद अल्फोंसो के चेहरे और शरीर पर चाकू से कई हमले किए। सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि मोस्केरा ने हत्या के बाद डॉस करते हुए खुद का एक वीडियो भी शूट किया था। मोस्केरा को 10 जुलाई की रात एक साइकिल सवार ने ब्रिज पर सूटकेस के साथ देखा था। तब उसने कहा था कि उसमें ऑटो पार्ट्स हैं, लेकिन उसमें लॉन्गवर्थ और अल्फोंसो के बॉडी पार्ट्स थे। अकाउंट से 4 लाख चुराने की कोशिश की आरोपी ने हत्या के बाद कपल के अकाउंट से 5,000 डॉलर (4 लाख रुपए) से अपने अकाउंट में ट्रांसफर करने और झरूसे 1000 डॉलर (84 हजार रुपए) कैश निकालने की भी कोशिश की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक मोस्केरा अक्सर ब्रिटिश जोड़े से मिलने जाता था और लॉन्गवर्थ और अल्फोंसो भी आरोपी से मिलने उसके देश जाते थे। यह मुकदमा अभी भी कोर्ट में चल रहा है।

इमरान की पार्टी के 82 कार्यकर्ताओं को जेल, जुरमाना भी लगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक आतंकवाद निरोधी कोर्ट ने जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 82 कार्यकर्ताओं को पिछले साल हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शन के सिलसिले में चार महीने जेल की सजा सुनाई है। बता दें इस्लामाबाद और रावलपिंडी में 26 नवंबर 2024 को हुए विरोध-प्रदर्शन के बाद 1500 से ज्यादा पीटीआई समर्थकों को गिरफ्तार किया गया था। इन लोगों ने सरकार पर पार्टी संस्थापक इमरान खान को रिहा करने का दबाव बनाने के लिए प्रदर्शन किया था।

कश्मीर छोड़ो, अब तो तालिबान भी भारत का समर्थन कर रहा; पाक सांसद ने लगाई आर्मी की क्लास

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रमुख धार्मिक नेता व सांसद मौलाना फजलुर रहमान ने भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर पाकिस्तानी सेना और सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कश्मीर मुद्दे पर ध्यान देने से पहले पाकिस्तान को अफगानिस्तान के मसले को सुलझाने की जरूरत है। मौलाना ने यह भी दावा किया कि अफगानिस्तान हमेशा से भारत का समर्थक रहा है और अब तो तालिबान भी भारत के पक्ष में खड़ा है। मौलाना फजलुर जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के प्रमुख हैं, जो पाकिस्तान में एक इस्लामी कट्टरपंथी राजनीतिक दल है।

क्या बोले मौलाना फजलुर रहमान : राजधानी इस्लामाबाद में पत्रकारों से बात करते हुए मौलाना फजलुर रहमान ने कहा, पाकिस्तान की सेना और सरकार की सोच से कोई फायदा नहीं हो रहा। कश्मीर के मुद्दे को बार-बार उठाने से पहले हमें अफगानिस्तान के हालात पर ध्यान देना होगा। अफगानिस्तान ने हमेशा भारत का साथ दिया है, और अब तो तालिबान भी भारत के साथ है। ऐसे में सेना की पुरानी नीतियां हमें और मुश्किल में डाल रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान को अपनी विदेश नीति और क्षेत्रीय रणनीति पर पुनर्विचार करना चाहिए, क्योंकि मौजूदा दृष्टिकोण से न तो कश्मीर मुद्दे का हल निकल रहा है और न ही क्षेत्र में शांति स्थापित हो रही है।

पाकिस्तानी सेना पर निशाना : मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तानी सेना की रणनीति को नाकाम करार देते हुए कहा

चीन बोला- अमेरिका ने ट्रेड बातचीत शुरू करने के संदेश भेजे, हम प्रस्तावों का आकलन कर रहे

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने कहा है कि वह अमेरिका की तरफ से ट्रेड बातचीत शुरू करने के प्रस्तावों का फिलहाल आकलन कर रहा है। ये बयान अमेरिका और चीन के बीच चल रहे तनाव के बीच टोन में बदलाव दिखाता है, जो भविष्य में बातचीत के रास्ते खोल सकता है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, अमेरिका ने हाल ही में कई माध्यमों से चीन को संदेश भेजे हैं कि वह ट्रेड बातचीत शुरू करना चाहता है। चीन फिलहाल इन प्रस्तावों पर विचार कर रहा है। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब बीजिंग अब तक अमेरिका के ट्रम्प सरकार की टैरिफ नीति पर सख्त और विरोधी रुख अपनाता रहा है। अब इस बयान से चीन के रुख में थोड़ी नरमी नजर आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पिछले हफ्ते से बार-बार कह रहे हैं कि उनकी सरकार चीन के अधिकारियों से ट्रेड डील को लेकर बातचीत कर रही है, लेकिन हर बार चीन की तरफ से इसे सिरे से खारिज किया गया है। शुक्रवार को चीन ने दोबारा कहा कि किसी भी बातचीत की शुरुआत से पहले कुछ शर्तें पूरी होनी जरूरी हैं। वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, टैरिफ और ट्रेड वॉर की शुरुआत अमेरिका ने एकतरफा की थी। अगर उसे बातचीत करनी है तो उसे ईमानदारी दिखानी होगी। इसके तहत उसे अपनी गलतियों को स्वीकार करना होगा।

बांग्लादेश - अवमानना के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को कारण बताओ नोटिस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और अवामी लीग की प्रतिबंधित छात्र शाखा बांग्लादेश छात्र लीग (बीसीएल) के नेता शकील आलम बुलबुल को अदालत की कथित अवमानना ??के मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि आईसीटी अभियोजक गाजी एमएच तमीम ने दोनों व्यक्तियों को 15 मई तक कारण बताओ नोटिस का जवाब देने का निर्देश दिया है। न्यायाधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गुलाम मुर्तुजा मुनुज्जदार की अध्यक्षता में सोशल मीडिया पर लाकू हुए एक वायरल ऑडियो क्लिप की सामग्री पर यह आदेश पारित किया गया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री को दिखाया गया था, जिसके माध्यम से उन्होंने कथित तौर पर न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप किया और न्यायाधिकरण को धमकी दी। आईसीटी अभियोजक ने कहा कि जांच एजेंसी ने फोरेंसिक परीक्षण कराया और पुष्टि की कि आवाज शेख हसीना की है। पिछले वर्ष अगस्त में सत्ता में आने के बाद मुहम्मद युनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री, उनके परिवार के



सदस्यों और अवामी लीग समर्थकों के खिलाफ कई गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। (आईजीपी) बेनजीर अहमद सहित चार अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इससे पहले जनवरी में ढाका में एक विशेष न्यायाधिकरण ने पूर्व प्रधानमंत्री हसीना और 11 अन्य लोगों के खिलाफ जबर्न गायब किए जाने की घटनाओं के संबंध में गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। विडंबना यह है कि इस न्यायाधिकरण की स्थापना शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अपराध (न्यायाधिकरण) अधिनियम के तहत की गई थी, जिसका

उद्देश्य 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान बांग्लादेश के भूभाग में पाकिस्तानी सेना द्वारा अपने स्थानीय सहयोगियों की मदद से किए गए नरसंहार, मानवता के विरुद्ध अपराध, युद्ध अपराध और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत अन्य अपराधों के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों का पता लगाना, उन पर मुकदमा चलाना और उन्हें दंडित करना था। विश्लेषकों का मानना ​​है कि यह घटनाक्रम युनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार द्वारा किया जा रहा एक बड़ा राजनीतिक प्रतिशोध है, क्योंकि अगस्त 2024 में उनके पद से हटने के तुरंत बाद पूर्व प्रधानमंत्री और उनके समर्थकों के खिलाफ तुच्छ आधार पर कई मामले दर्ज किए गए थे। देश में लोकतंत्र की बहाली के संघर्ष में अग्रणी आवाज रहें बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हसीना को अपमानजनक तरीके से देश छोड़कर 5 अगस्त को भारत में शरण लेनी पड़ी थी। फरवरी में भारत से अवामी लीग समर्थकों को ऑनलाइन संबोधित करते हुए अपदस्थ प्रधानमंत्री ने यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर देश को कथित तौर पर आतंकवाद और अराजकता के केंद्र में बदलने का आरोप लगाया था।

बांग्लादेश से आई धमकी कहा- नॉर्थ-ईस्ट पर कब्जा कर लेंगे, यूनुस ने दी सफाई

सरकार किसी भी रूप या तरीके से इस तरह की बयानबाजी समर्थन नहीं करती है।

यह विवाद उस समय और गहरा गया, जब हाल ही में मोहम्मद युनुस ने भी पूर्वोत्तर भारत को लेकर एक टिप्पणी की थी। पिछले महीने अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान युनुस ने पूर्वोत्तर भारत को लैंडलॉक क्षेत्र बताया था और बांग्लादेश को इस क्षेत्र के लिए समुद्र का एकमात्र संरक्षक करार दिया था। उन्होंने चीन को बांग्लादेश में अपना रणनीतिक नेटवर्क बढ़ाने का

अफगानिस्तान के साथ कोई मुद्दा है तो राष्ट्र एक ही स्थिति में नहीं होगा। क्योंकि दोनों की जमीनी स्थिति अलग-अलग है, इसलिए हम मीडिया पर हो रहे दुष्प्रचार से खुश नहीं होंगे। हमारी सोच और दृष्टिकोण आपसे बेहतर है। इसलिए आपको अपनी राजनीति, अपने लोगों, अपनी अर्थव्यवस्था और संसाधनों के साथ स्पष्ट रुख के साथ बैठना होगा। तालिबान और भारत का समर्थन? मौलाना का यह बयान कि तालिबान भी भारत का समर्थन कर रहा है काफी चर्चा में है। इसकी कई वजहें हैं। भारत ने अफगानिस्तान में मानवीय सहायता, बुनियादी ढांचे के विकास और कूटनीतिक संबंधों के जरिए अपनी स्थिति मजबूत की है। तालिबान के साथ भारत के सीमित लेकिन रणनीतिक संपर्क भी इस धारणा को बल दे रहे हैं। अफगानिस्तान से अमेरिकी (नाटो) फौज की वापसी के बाद भी भारत ने तालिबान के साथ संपर्क बनाए रखा ताकि वहां की आवाम को मानवीय सहायता जारी रहे। पाकिस्तान में बयान पर हंगामा मौलाना फजलुर रहमान के इस बयान ने पाकिस्तान में सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। कुछ लोग उनके बयान को पाकिस्तानी सेना और सरकार के खिलाफ खुली बगावत के तौर पर देख रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर मुद्दे को लेकर लंबे समय से तनाव रहा है। लेकिन पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले ने इसे और बढ़ा दिया। पाकिस्तान को खौफ सता रहा है कि भारत उसके ऊपर कभी भी हमला कर सकता है।

भारत को धमकी दे रहे पाकिस्तान के अंदर सरकारी इमारतों पर हमला

बलूच लिबरेशन आर्मी ने क्रेटा कराची हाईवे को जाम कर दिया

कराची (एजेंसी)। भारत में आतंकवाद फैलाने वाले पाकिस्तान की खुद ही आंतरिक संघर्ष के चलते हालत खराब है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पाकिस्तान का लिंक सामने आया था। लेकिन वे खुद आंतरिक संघर्ष से परेशान है। सिंध में पानी के बंटवारे के लिए हाहाकार मचा है और स्थानीय लोगों ने हाईवे जाम कर रखे हैं। इस बीच क्रेटा कराची हाईवे को बड़ी संख्या में बंदूकधारियों ने जाम कर दिया। इतना ही नहीं मौके से गुजर रहे वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया। यह घटना कलात जिले के मोंगोचार इलाके में हुई है। यहां पर इन लोगों ने कई सरकारी इमारतों को आग के हवाले कर दिया। इन इमारतों में नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान का ऑफिस, स्थानीय अदालत सहित कई विभागों के कार्यालय शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि



अग्निकांड में बड़े पैमाने पर इमारतों को नुकसान पहुंचा है। खबर है कि पास में ही स्थित पाकिस्तान के एक आर्मी कैंप पर भी हमला हुआ था, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक इन लोगों ने नेशनल

हाईवे पर खड़े वाहनों को चेक किया। कई बसों और कारों से लोगों को उतारकर पूछताछ की। इस दौरान हाईवे पर ट्रैफिक बाधित रहा। इस तरह के कराची से क्रेटा को जोड़ने वाले हाईवे को पूरी तरह ब्लॉक करके जांच करना बड़ी

21 हजार फिट पर पायलट को दिखी उड़न तश्तरी, भारी भरकम विमान पृथ्वी पर आया



वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में एक यूएफओ यानी अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट की तस्वीर सामने आने से सनसनी मच गई। दावा किया जा रहा है कि दूसरे ग्रह से यह 1000 फुट का विमान पृथ्वी पर आया। यह अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र के ऊपर देखा गया। तस्वीर को यूएफओ डिस्कलोजर एक्टिविस्ट्स द्वारा वाशिंगटन डीसी में आयोजित एक ‘साइंस, नेशनल सिक्वोरिटी एंड इन्वेन्शन’ नामक पैनल डिस्कशन के दौरान पेश किया गया। तस्वीर में देखा जा सकता है कि इस उड़न तश्तरी के आकार की दिखने वाली चीज की बड़ी सी परछाई जमीन पर नजर आ रही है।

यह यूएफओ असली था या नकली। इस बारे में कोई नहीं जानता। ना ही किसी को यह स्पष्ट तौर पर पता

ऑस्ट्रेलिया चुनाव में लेबर पार्टी जीती

दूसरी बार पीएम बनेंगे अल्बनीज



कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में लेबर पार्टी दोबारा चुनाव गई है। चुनाव आयोग के मुताबिक अब तक 55 प्रतिशत वोटों की गिनती हो चुकी है। लेबर पार्टी को 89 सीटों पर जीत हासिल हुई है, वहीं विपक्षी लिबरल-नेशनल गठबंधन 36 सीटों पर जीती है। चुनाव जीतने के लिए 76 सीटों की जरूरत होती है।

लेबर पार्टी की जीत से तय हो गया है कि एंथनी अल्बनीज एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। 21 साल में यह पहली बार होगा जब कोई नेता दोबारा पीएम बनेगा। इसे पहले 2004 में लिबरल पार्टी के जॉन हावर्ड लगातार दूसरी बार चुनाव जीते थे। वहीं, विपक्षी लिबरल-नेशनल गठबंधन ने हार मान ली है। विपक्षी उम्मीदवार पीटन डटन अपनी खुद की सीट भी हार गए हैं। डटन का अपनी ही सीट हारना सदी की सबसे बड़ी राजनीतिक हारों में गिनी जा रही है। विपक्षी नेता पीटर डटन ने चुनाव में हार स्वीकार करते हुए कहा, हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, मैं इसके लिए पूरी जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं।

घटना है। माना जा रहा है कि बलूच लिबरेशन आर्मी के लोगों ने ही यह हमला किया था। वे पंजाबी मूल के लोगों को टारगेट करना चाहते थे। इसीलिए उन्होंने वहां मौजूद यात्रियों की पड़ताल की। ऐसी ही कई घटनाएं लगातार देखने को मिल रही हैं, जिसमें बलूच लिबरेशन आर्मी के लोगों ने पाकिस्तानी पंजाब के लोगों को टारगेट किलिंग कर दी। सूत्रों का कहना है कि काफी देर तक सशस्त्र समूह ने कई इमारतों को अपने कब्जे में रखा। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद जैसे ही सुसूक्ष्मरी मौके पर पहुंचे तो ये लोग मौके से निकल गए। किसी को भी पाकिस्तानी सुरक्षा बल पकड़ नहीं पाए। यही नहीं काफ़ी देर तक मशक़त करने के बाद हाईवे को चालू कराया जा सका।

सूत्रों का कहना है कि काफी देर तक सशस्त्र समूह ने कई इमारतों को अपने कब्जे में रखा। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद जैसे ही सुसूक्ष्मरी मौके पर पहुंचे तो ये लोग मौके से निकल गए। किसी को भी पाकिस्तानी सुरक्षा बल पकड़ नहीं पाए। यही नहीं काफ़ी देर तक मशक़त करने के बाद हाईवे को चालू कराया जा सका।

21 हजार फिट पर पायलट को दिखी उड़न तश्तरी, भारी भरकम विमान पृथ्वी पर आया



है कि यह दूसरे ग्रह की किसी उड़न तश्तरी की तस्वीर है भी या नहीं। हालांकि इसे लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म जरूर हो गया है। इस तस्वीर को पूर्व पेंटागन अधिकारी और विवादित यूएफओ रिसर्चर लुइस ल्यू एलिजोंडे ने पेश किया। उन्होंने कहा कि यह तस्वीर आज की नहीं बल्कि चार साल पहले यानी 2021 की है, जिसे एक कर्मशायल पायलेट द्वारा लिया गया है। जब फ्लाइट करीब 21,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रही थी, तभी नीचे की तरफ यह यूएफओ उड़ रहा था। तस्वीर में एक चमकीली, सिल्वर रंग का डिस्कनुमा वस्तु दिखाई दी, जिसकी परछाई जमीन पर भी नजर आई। एलिजोंडे ने कहा कि उन्होंने स्वयं यह तस्वीर नहीं ली है। लिहाजा वो खुद इसकी प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं कर सकते।

आग्रह भी किया था। इस बयान को भारत में खतरनाक माना गया और नई दिल्ली के रणनीतिक हलकों में इसकी कड़ी आलोचना हुई। दबाव बढ़ने पर यूनुस के विशेष दूत ने सफाई दी थी कि उनके बयान को गलत संदर्भ में लिया गया। इस बयान ने भारत में तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दिया, क्योंकि पूर्वोत्तर भारत एक संवेदनशील क्षेत्र है और पहले से ही बांग्लादेश के साथ सीमा विवाद और अवैध घुसपैठ जैसे मुद्दों को लेकर तनाव बना हुआ है। रहमान का बयान ऐसे समय में आया है, जब

भारत और पाकिस्तान के बीच जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद तनाव बढ़ा हुआ है।

दुनिया के कटेंट, फैशन और अध्यात्म पर छाने को तैयार हैं भारत - नीता अंबानी

एजेंसी मुंबई। देश के सबसे बड़े मीडिया व एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्मस में से एक जियोस्टार की चेयरपर्सन नीता अंबानी ने यकीन दिलाया कि जल्द ही भारतीय कला व शिल्प दुनिया के सौंदर्यशास्त्र या फैशन को आकार देने लगेगा। उन्होंने कहा कि न केवल फैशन, चिकित्सा, अध्यात्म, नृत्य और भारतीय कहानियां भी विश्व मानचित्र पर अपनी जगह बना लेंगी। नीता अंबानी मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हो रहे वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट 2025 में बोल रही थीं। "Taking Indian Culture to the World" विषय पर बोलते हुए नीता अंबानी ने उन भारतीयों की याद दलाई जो अपनी जड़ों को बिना भूले विश्व मंचों पर भारत को गौरवान्वित कर रहे हैं। संगीत में अनुष्का शंकर और ऋषभ शर्मा, व्यंजनों में विकास खन्ना और सिनेमा में प्रियंका चोपड़ा जैसे युवा दुनिया भर में भारतीयता का संदेश फैला रहे हैं। साथ ही नीता अंबानी ने न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित लिंकन सेंटर में, सितंबर में होने वाले 'ग्रेंड इंडियन वीकएंड' की भी जानकारी साझा की। यह वीकएंड 'नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर' की ओर से मनाया जाएगा। जिसमें भारतीय कला व संस्कृति को दुनिया के सामने रखा जाएगा। नीता अंबानी ने बताया कि हम भारत की आत्मा को दुनिया के सामने रखेंगे। हमारी कलाएं, कारीगर, हमारे बुनकर, हमारे गीत और नृत्य, हमारा फैशन, हमारा स्वादिष्ट भोजन यहां सभी कुछ होगा।

एफपीआई ने इस हफ्ते भारतीय शेयरों में डाले 10000 करोड़ रुपये से अधिक

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजारों में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। इससे यह साफ हो गया कि घरेलू इंडिटी में विदेशी रुचि फिर से बढ़ने लगी है। नेशनल सिक्नोरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने 28 अप्रैल से 2 मई के बीच इंडिटी में 10,073 करोड़ रुपये का निवेश किया। आंकड़ों के अनुसार 2025 में पहली बार अप्रैल महीने में सकारात्मक शुद्ध एफपीआई प्रवाह देखा गया। अप्रैल में भारतीय इंडिटी में एफपीआई की ओर से शुद्ध निवेश 4,223 करोड़ रुपये रहा। एफपीआई ने मार्च में शुद्ध रूप से 3,973 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। जनवरी और फरवरी में उन्होंने क्रमशः 78,027 करोड़ रुपये और 34,574 करोड़ रुपये की इंडिटी की बिकवाली की थी। इससे यह पता चलता है कि अप्रैल बीते कई महीनों के बाद एफपीआई की भारतीय बाजार में रुचि बढ़ी है।

भारत ने पाकिस्तान के साथ बंद किया कारोबार, पड़ोसी देश से आने वाली सभी वस्तुओं पर लगाई रोक

नई दिल्ली। भारत ने आतंकवाद के पनाहगाह पाकिस्तान को एक बार फिर सबक सिखाने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत भारत सरकार ने पाकिस्तान से किसी भी प्रकार की वस्तुओं के सीधे या परोक्ष आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से दो मई को जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति के हित में लिया गया है। इस रोक के बाद अब पाकिस्तान से आने वाले किसी भी उत्पाद चाहे वह सीधे आयात हो या किसी तीसरे देश के जरिए परोक्ष रूप से हो इन सभी आयातों पर पूर्ण प्रतिबंध होगा। बता दें कि भारत सरकार की तरफ से लगाए गए यह प्रतिबंध विदेश व्यापार नीति 2023 में नए प्रावधान के रूप में जोड़ा गया है, जिसको लेकर विश्व व्यापार महासंदेशालय (डीजीएफटी) ने साफ किया है कि अगर किसी मामले में आयात की अनुमति दी जाती है, तो उसके लिए भारत सरकार की विशेष मंजूरी जरूरी होगी। 2024-25 में अप्रैल से जनवरी के बीच भारत ने पाकिस्तान से केवल 0.42 मिलियन डॉलर का आयात किया था। इसमें तांबा और तांबे के सामान, खाद्य फल और सूखे मेवे , कपास, नमक, सल्फर और मिट्टी और पत्थर, जैविक रसायन, खनिज ईंधन, प्लास्टिक उत्पाद, उन, कांच के बने पदार्थ, कच्ची खाल और चमड़ा आदि शामिल है।

20 साल में 1.55 लाख करोड़ की संपत्ति अटैच

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ती की जब्ती मुकदमेबाजी और स्थगन आदेश के कारण अटकी पड़ी है। इन संपत्तियों को ईडी ने धन शोधन निवारण कानून के तहत अर्न्तम रूप से अटैच किया था। जांच एजेंसी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच के दौरान उन संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच करने का अधिकार है, जिनके बारे में संदेह है कि वे अपराध की आय हैं। इस तरह के अर्न्तम आदेश को जारी होने के 180 दिनों के भीतर उक्त कानून के न्यायाधिकरण की ओर से पुष्टि की जानी चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार ईडी ने 2005 से लेकर 2025 तक पीएमएलए के प्रभावी होने के बाद से 1.55 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति अचैट की है, जिनमें से 1.07 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों की पुष्टि वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत तक न्यायाधिकरण की ओर से की जा चुकी है, लेकिन कानूनी बाधाओं के कारण 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती अभी भी अटकी हुई है। ईडी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि देशभर में 100 विशेष पीएमएलए अदालतें होने के बावजूद मनी लॉन्ड्रिंग मामलों की सुनवाई समय पर पूरी नहीं हो पाती।

नीति आयोग की रिपोर्ट: एमएसएमई क्षेत्र में बड़ी संख्या में कर्मचारी औपचारिक तकनीकी प्रशिक्षण से वंचित

एजेंसी नई दिल्ली। नीति आयोग के अनुसार एमएसएमई क्षेत्र में कौशल की भारी कमी है। बड़ी संख्या में कर्मचारी औपचारिक तकनीकी प्रशिक्षण से वंचित हैं, जिससे उत्पादकता और विस्तार की संभावनाओं पर असर पड़ता है। साथ ही कहा है कि 2020 से 2024 के बीच एमएसएमई की औपचारिक क्रेडिट तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। फिर भी केवल 19 प्रतिशत डिमांड ही औपचारिक क्रेडिट से पूरी हो पा रही है। नीति आयोग ने आज ‘भारत में एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना’ शीर्षक से विस्तृत रिपोर्ट जारी की। यह रिपोर्ट इंस्टीट्यूट फॉर

कॉम्पिटिविनेस (आईएफसी) के सहयोग से तैयार की गई है और इसमें भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की क्षमता को सशक्त करने के लिए

लित, कौशल, नवाचार और बाजार तक पहुंच में सुधार जैसे पहलुओं पर विस्तृत खाका प्रस्तुत किया गया है। रिपोर्ट में एमएसएमई क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख समस्याओं और चुनौतियों का विश्लेषण किया गया है। यह रिपोर्ट कपड़ा और परिधान निर्माण, रासायनिक उत्पाद, ऑटोमोटिव और खाद्य प्रसंस्करण जैसे चार प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है। रिपोर्ट में पाया गया है कि 2020 से 2024 के बीच एमएसएमई की औपचारिक क्रेडिट तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इस अवधि में छोटे और सूक्ष्म

सूचकांकों ने पहले तो लाल निशान में गोता लगाया, फिर खरीदारी के स्पोर्ट से हरे निशान में रिकवरी करने में भी सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.32 प्रतिशत और निफ्टी 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए।आज दिनभर के कारोबार के दौरान फार्मास्यूटिकल, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में जमकर बिकवाली होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एनएसएमसीजी, एनजीए ड्यूरेबल्स और टेलीकॉम इंडेक्स भी

शेयर बाजार में स्टॉक होल्डिंग के मामले में पहली बार एफआईआई से आगे निकले डीआईआई

एजेंसी नई दिल्ली।शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच पहली बार घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की स्टॉक होल्डिंग विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) से अधिक हो गई है। माना जा रहा है कि इंडिटी होल्डिंग मामले में घरेलू संस्थागत निवेशकों के आगे निकल जाने से आने वाले दिनों में बाजार में तुलनात्मक तौर पर अधिक स्थिरता की स्थिति बनेगी। इसके साथ ही विदेशी निवेशकों द्वारा अचानक की जाने वाली बिकवाली की स्थिति में भी शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार होने से काफी हद तक बच सकेगा। एसीआई इंडिटीज द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मार्च में खतम हुई तिमाही के दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों की स्टॉक मार्केट में होल्डिंग 16.91 प्रतिशत हो गई है, जबकि विदेशी संस्थागत निवेशकों

की होल्डिंग 16.84 प्रतिशत ही है। इस तरह डीआईआई की इंडिटी होल्डिंग एफआईआई की इंडिटी



होल्डिंग से अधिक हो गई है। इंडिटी होल्डिंग के इस पैटर्न के मुताबिक घरेलू संस्थागत निवेशकों के पास अब 69.80 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एसेट्स हो गए हैं। वहीं, विदेशी संस्थागत निवेशकों के पास 69.58 लाख करोड़ रुपये के एसेट्स हैं। पिछले साल अक्टूबर के महीने से ही विदेशी निवेशकों ने

घरेलू शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली का दबाव बना दिया था। विदेशी निवेशकों की इस बिकवाली



के दौरान बाजार को सहारा देने के लिए घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भी बड़े पैमाने पर खरीदारी की। डिपॉजिटरी के आंकड़ों पर नज़र डालें तो सितंबर 2024 के बाद से मार्च 2025 के अंत तक विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 2.06 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली करके अपने पैसे निकाले। दूसरी ओर, घरेलू

एनएसई में वेक्स इंडेक्स का अनावरण

एजेंसी मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने विश्व ऑडियो-विजुअल एंटरटेनमेंट समिट (वेक्स) 2025 में ऑडियो-विजुअल और मनोरंजन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाला 43-एडीजीसी कंपनी बेंचमार्क वेक्स इंडेक्स लॉन्च किया, जो भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लॉन्च को समिट की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक बताते हुये इस बात पर जोर दिया कि नया इंडेक्स एक नए निवेश



जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ऑडियो-विजुअल क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाने की कगार पर है, जिसमें आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और उद्योगों में गुणक प्रभाव की अपार संभावनाएं हैं।एनएसई के प्रबंध निदेशक और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने बताया कि वेक्स इंडेक्स का विचार

अमेरिकी मंदी की आशंका और एलओसी के तनाव से बिगाड़ा शेयर बाजार का मूड

एजेंसी नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज पूरे दिन जोरदार उतार-चढ़ाव होता रहा। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने आज शुरुआती कारोबार में जोरदार मजबूती दिखाई, लेकिन धुंधलारे होते-होते दोनों सूचकांक बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1 हजार अंक से अधिक टूट गया, वहीं निफ्टी ने भी दिन के ऊपरी स्तर से करीब 350 अंक का गोता लगाया। हालांकि दूसरे सत्र में खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। बाजार के इस उतार-चढ़ाव के लिए अमेरिका की भी आशंका, कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल, बाजार में मुनाफा वसूली के दबाव और भारत-पाकिस्तान सीमा पर बने तनाव को मुख्य वजह माना जा रहा है।धामी सिक्नोरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि अमेरिकी इकोनॉमी को लेकर बनी चिंता ने घरेलू शेयर बाजार के मूड को भी बिगड़ने

में आज अहम भूमिका निभाई। अमेरिका के कॉमर्स डिपार्टमेंट के शुरुआती अनुमानों में पहली तिमाही के दौरान अमेरिका की जीडीपी में 0.30 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया गया है। हालांकि इसके पहले की तिमाही में अमेरिका की जीडीपी 2.40 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। ऐसे में अमेरिकी विकास दर में गिरावट और उद्योगों में गुणक आज सतर्क होकर कारोबार करते रहे। प्रशांत धामी

कहते हैं, अमेरिकी अर्थव्यवस्था से जुड़े कुछ अहम आंकड़े जल्दी आने वाले हैं, इसके पहले निवेशकों ने सतर्कता बढाते हुए मुनाफा वसूली के विकल्प को ज्यादा पसंद किया। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर सेकेंडरी लेवल अचानक करीब 2 प्रतिशत तक महंगा हो गया। क्रूड ऑयल की कीमत में आई स्थिति से भी शेयर बाजार के सेंटिमेंट पर आज नेगेटिव असर पड़ा।

भारत के कुल निर्यात में 2024-25 में 6.01 प्रतिशत की वृद्धि, रिकॉर्ड 824.9 अरब डॉलर पर : आरबीआई

एजेंसी नई दिल्ली।भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मार्च 2025 के लिए सेवा व्यापार पर जारी नवीनमन आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल निर्यात (वस्तु एवं सेवा निर्यात सहित) 6.01 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वित्तीय वर्ष 2024-25 में 824.9 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार सेवा निर्यात ने विकास की गति को अगे बढ़ाया, जो 2024-25 में 387.5 अरब डॉलर के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के 341.1 अरब डॉलर से 13.6 प्रतिशत अधिक है। मार्च 2025 में, सेवा निर्यात 35.6 अरब डॉलर रहा, जो मार्च 2024 में 30.0 अरब डॉलर की तुलना में 18.6 प्रतिशत की

शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,183 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 141 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,534 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,047 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,487 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 17 शेयर हरे निशान में और 33 शेयर लाल

शाहरुख खान बने हार्पिक के ब्रांड एंबेसडर



एजेंसी मुंबई। बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान हार्पिक के ब्रांड एंबेसडर बनाने गये हैं। टॉयलेट की सफाई में ब्रांड की श्रेष्ठता को दर्शाने के लिए हार्पिक ने शाहरुख के साथ अपनी नई महिम हार्पिक है ना की शुरुआत की है, यह मुहिम हर घर में टॉयलेट की अच्छी सफाई का वादा करती है। शाहरुख खान ने हार्पिक के साथ अपने इस जुड़ाव पर कहा, स्वच्छता की शुरुआत छोटे लेकिन असरदार कार्यों से होती है। हार्पिक के साथ काम करने पर मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। यह

एक ऐसा ब्रांड है, जो दशकों से भारतीय घरों में स्वच्छता और गरिमा को बढ़ावा दे रहा है। मैं हमरी गुमनाम हीरोज- गृहणियों - की बहुत इज्जत करता हूँ, जिनकी अथक मेहनत से ही परिवारों के स्वास्थ्य और खुशी मिलती है। वे सर्वश्रेष्ठ की हकदार हैं। हार्पिक है ना के साथ, हर घर बेहतर स्वच्छता, सफाई और ताज़गी पर भरोसा कर सकता है।जो सिर्फ पांच मिनट में मिल जाती है। जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों में जिस तरह का आश्वासन चाहिए, उसी तरह हार्पिक है ना हर घर में एक भरोसेमंद साथी के रूप में खड़ा रहता है।’

तमिलनाडु के लिए कोयले की आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने पर उच्च स्तरीय बैठक

बनाए जाने को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक सुविधा, लिम्नाइट खदानों के लिए भूमि अधिग्रहण, नेवेली हवाई अड्डे का संचालन शुरू करने और तमिलनाडु ग्रीन एनर्जी



कॉर्पोरेशन (टीएनजीईसीएल) और लिमिटेड (टीएनजीईसीएल) और एनएलसीआईएल के बीच संयुक्त उद्यम के रा्टन के मुद्दों पर भी चर्चा की गई।विज्ञप्ति के अनुसार इस काम के लिए राज्य सरकार आवश्यक

कास्सी, कोल इंडिया लिमिटेड (टीएनजीईसीएल) और तमिलनाडु पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. एल्बी जॉन वर्गीस भी शामिल थे।

उच्च शिक्षा में सकल नामांकन 50 प्रतिशत तक पहुंचाने में निजी विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण : टीजी सीताराम

एजेंसी हैदराबाद। शिक्षा उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों ने भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सकल नामांकन का अनुपात (जीईआर) बढ़ाने में निजी क्षेत्र के विश्वविद्यालयों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया है और कहा है कि 2025 तक नामांकन दर 50 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निजी संस्थानों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यहां महिंद्रा विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय निजी विश्वविद्यालय परिसर (सीआईपीयू) द्वारा उच्च शिक्षा पर हुए सम्मेलन में इस उद्योग की प्रमुख हस्तियों ने कहा कि भारत की शिक्षा प्रणाली को शोध-आधारित और अंत:विषय शैक्षणिक वातावरण बनाकर दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनने का लक्ष्य रखना

विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां 10 महीने के शीर्ष पर, नए ऑर्डर की रपतार 14 साल में सबसे ज्यादा

एजेंसी नयी दिल्ली। देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां अप्रैल, 2025 में सुधकर 10 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। इसमें नए ऑर्डर में मजबूत वृद्धि की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) पिछले महीने बढ़कर 58.2 पहुंच गया, जो जून, 2024 के बाद सबसे ज्यादा है। मार्च में विनिर्माण पीएमआई 58.1 रहा था। एचएसबीसी इंडिया की मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए निर्यात ऑर्डर में उल्लेखनीय वृद्धि भारत में उत्पादन में संभावित बदलाव का संकेत दे सकती है। व्यवसाय उभरते व्यापार परिदृश्य और अमेरिकी शुल्क घोषणाओं के अनुकूल हो रहे हैं। इस सकारात्मक प्रवृत्ति के साथ रोजगार और खरीद गतिविधि में बड़ा उछाल देखने को मिला है। कीमतों के मोर्चे पर भंडारी ने कहा, भारतीय वस्तुओं की मजबूत मांग ने कंपनियों की मूल्य निर्धारण क्षमता को बढ़ावा दिया। इससे कच्चे माल की लागत में मामूली वृद्धि के बावजूद बिज्की शुल्क अक्टूबर, 2013 के बाद सबसे अधिक बढ़ गया। भंडारी ने कहा, अप्रैल के आकड़े बताते हैं कि विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियों में आने वाले वर्ष में उत्पादन बढ़ने की संभावनाओं को लेकर धारणा मजबूत है।

73.65 अंक की कमजोरी के साथ 80,168.59 अंक तक पहुंच गया। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में एक बार फिर खरीदारी ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसके कारण सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 300 अंक से अधिक की रिकवरी करके 259.75 अंक की तेजी के साथ 80,501.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने 22.30 अंक की कमजोरी के साथ 24,311.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

साल-दर-साल वृद्धि दर्शाता है। पिछले वर्ष सकल निर्यात 778.1

उत्पादों को छोड़कर व्यापारिक निर्यात बढ़कर रिकॉर्ड 374.1 अरब डॉलर



अरब डॉलर के बराबर था। वाणिज्य मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा देश के व्यापार की प्रगति की राह में एक नया मील का पत्थर स्थापित करता है। वर्ष 2024-25 में, पेट्रोलियम

निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 57.95 अंक की मामूली मजबूती के साथ 80,300.19 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के स्पोर्ट से पहले घटे में ही यह सूचकांक 935.69 अंक की मजबूती के साथ आज के सर्वोच्च स्तर 81,177.93 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से दोपहर 12 बजे की डोईरि देर बाद यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 1 हजार अंक से अधिक टूट कर

अंकुरित सलाद



सामग्री : अंकुरित मूंग 1 कटोरी, अंकुरित मोठ 1 कटोरी, उबले आलू 2, केरी व टमाटर कटा, राई का पावडर, नमक स्वादानुसार। कालीमिर्च पावडर 1 चम्मच, नींबू व ताजी क्रीम।

विधि : आलू को मसल लें, उसमें मूँग मोठ, नमक, काली मिर्च, राई पावडर व नींबू डालकर अच्छी तरह मिला लें, प्लेट में निकाल लें।

इसके चारों तरफ क्रीम डालें। अब चेरी और टमाटर से सजाकर सर्व करें।



उम्र बढ़ने का त्वचा पर प्रभाव

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, त्वचा की कांति ढलती जाती है। हमारे चेहरे की त्वचा पर वर्षों तक धूप, गुरुत्वाकर्षण, मुस्कराने, खाना चबाने और आँखें मिचमिचाने से गहरा और स्थायी प्रभाव पड़ता है। जिन उतकों के कारण हमारी त्वचा तरोताजा और भरी पूरी नजर आती है वे समय के साथ टूटने लगते हैं, इसका नतीजा यह होता है कि चेहरे पर झुर्रियाँ और बारीक-बारीक रेखाएँ उभर आती हैं।

बढ़ती उम्र का त्वचा पर प्रभाव :

■ अल्ट्रावायलेट लाइट, मेटाबोलिक प्रोसेस के कारण सेल टिश्यूज का क्षरण होना और खत्म होना आदि ऐसे कारण हैं जिनसे शारीरिक बुढ़ापा आ जाता है।

■ एंटी ऑक्सीडेंट्स से भरपूर आहार न सिर्फ बुढ़ापे को टाल सकता है बल्कि कई तरह की स्थायी क्षति को भी रिपेयर कर सकता है।

■ जब आप उम्र के दूसरे दशक में होते हैं तब शरीर में ढेर

सारे परिवर्तन होते हैं। मसलन हारमोंस का उतार-चढ़ाव शरीर को अंदर और बाहर से हिलाकर रख देता है। भारतीयों की त्वचा पर यूँ धूप का कोई खास असर नहीं होता लेकिन तैलीय त्वचा पर मुँहासे उगने लगते हैं।

■ तीसरा दशक त्वचा पर स्थायी प्रभाव पड़ने की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। इसी दशक में आनुवांशिक लक्षणों, त्वचा का प्रकार तथा धूप के प्रभाव के कारण कोलेजन का तेजी से क्षरण होता है। चेहरे को देखने से ऐसा लगता है कि पहले यह गुब्बारे की तरह फूला था अब जैसे हवा निकल गई है।

■ उम्र के चालीसवें दशक में हारमोंस का स्तर तेजी से घट-बढ़ होता है। इससे माँसपेशियों का लचीलापन, बोन्स रेस्पोरेशन, कोलेजेन डिजनरेशन, इलास्टीन डिजनरेशन होता है तथा कुल चर्बी में कमी होने लगती है, जिससे त्वचा सूखी और पतली होने लगती है। इससे झुर्रियाँ पड़ने लगती हैं।

घर की सफाई के उपयोगी टिप्स

सफाई करना घर का मुख्य काम होता है। अगर कपड़े की झाड़न पर ज्यादा गर्द ज्यादा हो गई हो और सफाई में दिक्कत आ रही हो तो एक काम करें। हाथों को थोड़ा गीला कर के कपड़े पर फिरा दें फिर जल्दी से उसे ब्रश से झाड़ डालें नमी की वजह से कपड़े की पूरी गर्द उतर जाएगी।

■ रजाई और तकिए के गिलाफ धो कर आखिरी बार खंगालते समय पानी में थोड़ा सिरका मिला दीजिए सिरके के अम्ल से कपड़ों से साबुन का क्षार उतर जाता है। इससे गिलाफ एकदम मुलायम हो जाते हैं। गिलाफ धोकर उसे फिर से रजाई पर आसानी से चढ़ाने के लिए धोने के बाद गिलाफ को उलटा सुखा दें।

■ उलटे गिलाफ के अंदर रजाई के दोनों कोने डालकर गोल-गोल लपेटते जाएँ। जब रजाई पूरी गोल हो जाए तो नीचे वाला गिलाफ का सिरा खींच लें। रजाई के दोनों कोनों को पकड़ लें और साथ-साथ उठा कर दो तीन बार झटक दें। उलटा हुआ गिलाफ सीधा होकर रजाई पर चढ़ जाएगा।

■ अगर आप के यहाँ मेटल का डस्टबिन है तो आप उसके अंदर से आने वाली बदबू से जरूर परेशान रहती होंगी। मेटल के कूड़ेदान की दुर्गंध समाप्त करने के लिए उसमें

पुराने अखबार डल कर अग लगा दें। आग तत्काल दुर्गंध को समाप्त कर देगी।

■ कभी-कभी टॉयलेट में अचानक ही बहुत बदबू आने लगती है। बारिश के यह समस्या ज्यादा होती है। थोड़ी देर के लिए इसे हटाने के लिए माचिस की एक तीली जला देना भर काफी है।

■ आपके घर भी यदि खारा पानी आता है और आपके बाथरूम में हर चीज इसकी वजह से सफेद हो गई है तो आप इन सभी को पैराफिन से साफ कर सकती हैं। इससे बाथरूम का फर्श, बाथ टब और टॉटियाँ बहुत अच्छी तरह साफ हो जाती हैं। इससे न केवल वहाँ पर जमे साबुन की चिकनाई और मैल छूट जाता है बल्कि पैराफिन से इनकी चमक भी लौट आती है।

■ बाथरूम में अकसर पानी की टपकने से या कहीं-कहीं पानी जमने से बने भूरे धब्बों को हटाने के लिए नमक और सिरके की बराबर मात्रा के मिश्रण से दूर किया जा सकता है। टब, बाल्टी या पानी भरने के दूसरे बर्तन में भी यदि सफेदी जमा हो गई हो तो इसी विधि को आप उन पर भी आजमा सकती हैं। मिश्रण को कुछ मिनट दाग पर लगा रहने दें, फिर धो डालें।

■ घरेलू उपयोग में आने वाले नौसादर को पानी में मिला



कर क्रोमियम की चीजों और कार को साफ किया जा सकता है, लेकिन इस घोल से धोने के बाद यदि आप फिर से पॉलिश करना चाहें तो पहले उस वस्तु को अच्छी तरह सुखा लें। तबै और पीतल की चीजों पर लगे हरे-नीले दाग को भी नौसादर और नमक मिले घोल से साफ किया जा सकता है। घोल से धोने के बाद साफ पानी से अच्छी तरह सुखा लें।

■ काँच के मैले फूलदान में पानी भर कर उसमें थोड़ा ब्लीचिंग पाउडर मिला कर रखने से मिनटों में फूलदान जगमगा उठेगा। सिगरेट या सिगार की राख को बराबर मात्रा में मिला लें। इसमें दो-तीन बूँट कोई भी वनस्पति तेल मिलाकर पेस्ट जैसा बना लें। इस पेस्ट से फ्रेंच पॉलिश की गई लकड़ी पर से कोई भी दाग मिटाए जा सकते हैं।



मिनरल वाटर में एस्ट्रोजन हार्मोन

हाल ही एक रिसर्च में यह खुलासा हुआ है कि अगर आप प्लास्टिक की बोतल से मिनरल वाटर पी रहे हैं तो इसका मतलब है कि आप पानी के साथ-साथ एस्ट्रोजन हार्मोन भी ग्रहण कर रहे हैं और इसके कारण आपको प्रजनन क्षमता प्रभावित हो सकती है। जर्मनी की फ्रैंकफर्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के मुताबिक प्लास्टिक की बोतलों में भर कर बेचे जाने वाले मिनरल वाटर में ऐसे रसायन पाए गए हैं, जो शरीर में प्रवेश करने के बाद महिलाओं में पाए जाने वाले एस्ट्रोजन हार्मोन की तरह काम करते हैं। इस रिसर्च में जुटे वैज्ञानिक मार्टिन वेगनर ने कहा कि हमने जब इस विषय पर

अपना काम शुरू किया तो सोचा भी नहीं था कि किसी खाद्य पदार्थ में भी इतनी बड़ी तादाद में हार्मोन हो सकते हैं, जिन पर सख्त रोक है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले बोतलों में बंद मिनरल वाटर के नमूने लिए गए। फिर पानी में रसायन युक्त एस्ट्रोजन की मौजूदगी और उनका स्रोत निश्चित करने के लिए वैज्ञानिकों ने पाया कि मिनरल वाटर में पाए जाने वाले रसायन अन्य जीवों के लिए भी प्रभावकारी हैं और अगर यह पानी घोंघे को दिया जाए तो उनके भ्रूणों की संख्या में तेज बढ़ोतरी होती है। वैज्ञानिकों ने बोतल में बंद मिनरल वाटर में ऐसे रसायनिक साक्ष्य खोजे हैं, जिनमे महिलाओं में पाए जाने वाले प्रजनन एस्ट्रोजन हारमोन मौजूद थे। एस्ट्रोजन महिलाओं का मुख्य प्रजनन हार्मोन होता है, जिसको अनैच्छिक ग्रहण करने से प्रजनन प्रणाली बाधित हो सकती है। इसके अलावा इससे स्तनों से उत्पन्न होने वाले दुग्ध का प्रवाह भी कम हो सकता है।

शहद और दालचीनी सेहत के पहरेदार

शहद के साथ पीसी हुई दालचीनी को नियमित लेने से शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता मजबूत होती है और बैक्टीरिया व वायरस अटैक से बचाव होता है। शहद के साथ पीसी हुई दालचीनी को नियमित लेने से शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता मजबूत होती है और बैक्टीरिया व वायरस अटैक से बचाव होता है।

शहद के साथ पीसी हुई दालचीनी को नियमित लेने से शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता मजबूत होती है और बैक्टीरिया व वायरस अटैक से बचाव होता है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि शहद में विभिन्न विटामिन होते हैं और बड़ी मात्रा में आयरन भी। शहद का नियमित इस्तेमाल रक्त की सफेद कोशिकाओं (डब्ल्यूबीसी) को मजबूत करता है जिससे बैक्टीरिया और वायरस रोगों से लड़ने में मदद मिलती है।

दिल की मजबूती के लिए

जैली, जैम और मक्खन को अलविदा कहें। शहद और पीसी दालचीनी का पेस्ट बना लें और इसे रोजाना नाश्ते में ब्रेड या चपाती पर लगाकर खायें। जिनको पहले अटैक पड़ चुका है अगर वे भी रोजाना इसका प्रयोग करेंगे, तो उन्हें लाभ होगा। इस पेस्ट का नियमित प्रयोग सांस को फूलने नहीं देता और हृदय दर को मजबूत करता है।

जोड़ों के दर्द के लिए

आर्थराइटिस के रोगी एक कप गर्म पानी में दो चम्मच शहद और एक छोटा चम्मच पीसी दालचीनी मिलाकर रोज पीयें। अगर यह नियमित लिया जायेगा, तो क्रोनिक

रोगी भी जोड़ों के दर्द को अलविदा कह देंगे।

पाचन

एक चुटकी पीसी हुई दालचीनी को दो चम्मच शहद पर छिड़क लें। इसे खाने से पहले लें। एसिडिटी रफू चक्कर हो जायेगी और भारी से भारी खाना भी हजम हो जायेगा।

झुर्रियों से बचने के लिए चार चम्मच शहद, एक चम्मच पीसी दालचीनी और तीन कप पानी ले लें। इस मिश्रण को अच्छी तरह उबाल लें। 1/4 कप 3/5 बार रोजाना पीयें। त्वचा ताजी, मुलायम और चेहरा झुर्रियों रहित रहेगा।

त्वचा पर चमक

शहद और दालचीनी का लेप सोने से पहले मुँहासों पर लगायें और अगली सुबह गुनगुने पानी में धो लें। अगर रोजाना दो सप्ताह तक ऐसा किया जायेगा तो मुँहासे जड़ से खत्म हो जायेंगे। इस मिश्रण को त्वचा के इन्फेक्शन जैसे एक्जिमा में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

श्वास

एक चम्मच शहद और पीसी दालचीनी को गर्म पानी में मिला लें और उससे गरारे करें, दिन भर तरोताजा रहेंगे।

हेल्थ प्लस

हृदय रोग भगाने के लिए खाएं लहसुन

दिल का दौरा पड़ने, एंजाइना पेन या स्ट्रोक्स की खास वजह होती है रक्तावाहिकाओं में ब्लॉकेज। विशेषज्ञों का मानना है कि ब्लॉकेज दूर करने के लिए लहसुन का नियमित सेवन लाभकारी है। इसमें ब्लॉकेज दूर करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व एजोन होता है। लहसुन का प्रयोग ऐसे करना चाहिए कि आपको अधिकतम एजोन मिल।

■ लहसुन को काटकर इस्तेमाल करने के बजाय पीसकर इस्तेमाल करें।

■ बहुत धीमी आंच पर लहसुन को हल्का-सा भूयें।

■ लहसुन टमाटर के साथ या अन्य अम्लीय चीजों के साथ पकाएं।

■ पिसे हुए लहसुन को 'फेय चीज' और ऑयल ऑयल के साथ मिलाकर इस्तेमाल करें। इससे कोलेस्ट्रॉल नहीं बढ़ता है।



पेशाब

दो चम्मच पीसी दालचीनी और एक चम्मच शहद एक गिलास गुनगुने पानी में मिलाकर पी जायें। इससे पेशाब की थैली के सरे कीटाणु मर जायेंगे और आप इन्फेक्शन से मुक्त रहेंगे।

दांत का दर्द

एक चम्मच पीसी दालचीनी को पांच चम्मच शहद में मिलाकर लेप बना लें। जिस दांत में दर्द हो रहा है उस पर लगायें। ऐसा दिन में तीन बार करें जब तक दांत का दर्द ठीक न हो जाये।

कोल्ड

जो लोग कॉमन या गंभीर कोल्ड से पीड़ित हैं वे एक चम्मच गुनगुना शहद 1/4 चम्मच पीसी दालचीनी के साथ रोजाना तीन दिन तक लें।

शाकाहारियों को कैंसर का खतरा कम!

अगर आप शाकाहारी हैं तो यह आपके लिए अच्छी खबर है। ब्रिटेन में हुए एक शोध के मुताबिक शाकाहार से कैंसर से बचाव में मदद मिल सकती है। शाकाहारी लोगों में मांसाहारी लोगों की तुलना में कैंसर के बहुत कम मामले पाए गए हैं। ब्रिटेन में व्यापक पैमाने पर हुए इस शोध में करीब 52,500 लोग शामिल थे। इसमें 20 से 89 साल की उम्र के पुरुष और महिलाओं के आहार का परीक्षण किया गया। एक अमेरिकी जर्नल में प्रकाशित हुए इस अध्ययन को शोधकर्ता काफी अहम मान रहे हैं। शोधकर्ताओं ने सभी प्रतिभागियों को तीन समूहों में विभाजित किया। इन्में एक को मांस खाने वाले, दूसरे को मछली खाने वाले तथा तीसरे को शाकाहारी समूह में रखा गया। शोध के दौरान पाया गया कि जो लोग मछली खाते हैं या शाकाहारी हैं उनमें मांसाहारी लोगों की तुलना में कैंसर होने की संभावना काफी कम होती है। हालांकि अध्ययन के दौरान शाकाहारी लोगों में कोलोरेक्टल कैंसर के मामले पाए गए। यह भी एक चौंकाने

भोजन करें मगर प्यार से

भोजन करते समय कुछ खास बातें याद रखें ...

हमारे शरीर को पोषण देने का एक ही माध्यम है भोजन। यदि हम अपने शरीर को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो भोजन से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण बातों को ध्यान में रखना चाहिए। इन्में से कुछ बातें तो आप जानते ही होंगे लेकिन फिर भी अच्छी बातें दोहराने में कोई हर्ज नहीं है, ये बातें हैं-

- प्रातः बिना स्नान किए भोजन नहीं करना चाहिए।
- भोजन को धीरे-धीरे चबाकर खाना चाहिए।
- भोजन को कभी भी दूँस-दूँसकर नहीं खाना चाहिए। इससे कई रोग हो सकते हैं। भोजन तीन-चौथाई पेट ही करना चाहिए।
- भूख लगने पर पानी और प्यास लगने पर भोजन नहीं करना चाहिए, अन्यथा स्वास्थ्य को हानि पहुँचती है। जैसे खाने की आवश्यकता महसूस होने पर उसे पानी पीकर समाप्त करने की कोशिश य प्यास लगने पर कुछ ही खाकर प्यास को टाल देना।
- भोजन के बीच में प्यास लगने पर थोड़ा-थोड़ा करके पानी पीना चाहिए। भोजन के तुरंत पहले या अंत में तुरत पानी नहीं पीना चाहिए।
- हजार काम छोड़कर नियमित समय पर भोजन करें।
- बासी, ठंडा, कच्चा अथवा जला हुआ और दोबारा गर्म

क्रीन ऑफ पुडिंग



सामग्री : 1 पाउंड पावरोटी, 1 कसा नारियल, 1 कप चीनी, 4 कप दूध, 4 बड़ा चम्मच वेनिला फ्लेवर कस्टर्ड पावडर, 3 कप क्रीम 1/4 चम्मच वेनिला एसेन्स, चेरी सजाने के लिए।

विधि : पावरोटी के चारों ओर का कड़ा हिस्सा हटाकर भुरभुरा कर लें। दूध और चीनी (5 बड़ा चम्मच चीनी रखकर) मिलाकर गर्म करें। उबाल आने पर कस्टर्ड मिलाकर गाढ़ा होने तक चलाएँ।

आँच से उतारकर पावरोटी और कसा नारियल मिलाकर फ्रिज में रख दें। क्रीम फेंट कर बची चीनी मिला दें। क्रीम के बर्तन को ठंडे पानी के बर्तन में रख क्रीम को हल्का होने तक फेंटें। इसमें एसेन्स मिला दें। फिर क्रीम ठंडे कस्टर्ड में मिला, चेरी से सजाकर ठंडा परोसें।



कर क्रोमियम की चीजों और कार को साफ किया जा सकता है, लेकिन इस घोल से धोने के बाद यदि आप फिर से पॉलिश करना चाहें तो पहले उस वस्तु को अच्छी तरह सुखा लें। तबै और पीतल की चीजों पर लगे हरे-नीले दाग को भी नौसादर और नमक मिले घोल से साफ किया जा सकता है। घोल से धोने के बाद साफ पानी से अच्छी तरह सुखा लें।

■ काँच के मैले फूलदान में पानी भर कर उसमें थोड़ा ब्लीचिंग पाउडर मिला कर रखने से मिनटों में फूलदान जगमगा उठेगा। सिगरेट या सिगार की राख को बराबर मात्रा में मिला लें। इसमें दो-तीन बूँट कोई भी वनस्पति तेल मिलाकर पेस्ट जैसा बना लें। इस पेस्ट से फ्रेंच पॉलिश की गई लकड़ी पर से कोई भी दाग मिटाए जा सकते हैं।



वाला नतीजा है। क्योंकि पहले के शोधों के मुताबिक कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा मांसाहारी लोगों को ज्यादा होता है।

शोधकर्ता दल के प्रमुख प्रोफेसर टिम के मुताबिक यह नतीजे इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इससे पहले आहार को इस तरह से प्रमुखता नहीं दी जाती थी। शायद यही कारण है कि अभी तक डाइट को लेकर इस तरह का भ्रम बना रहा। प्रोफेसर टिम के अनुसार, ‘यह एक दिलचस्प अध्ययन है जिसके मुताबिक शाकाहारियों में कैंसर का खतरा कम हो सकता है। इसे काफी सावधानी से देखे जाने की जरूरत है। जहां तक कोलोरेक्टल कैंसर की बात है तो मांस इसके लिए कितना जिम्मेदार हो सकता है इस पर विचार करना होगा।’ उन्होंने साफ किया कि कैंसर और आहार के बीच संबंध स्थापित करने वाले इस अध्ययन पर और काम किए जाने की जरूरत है।

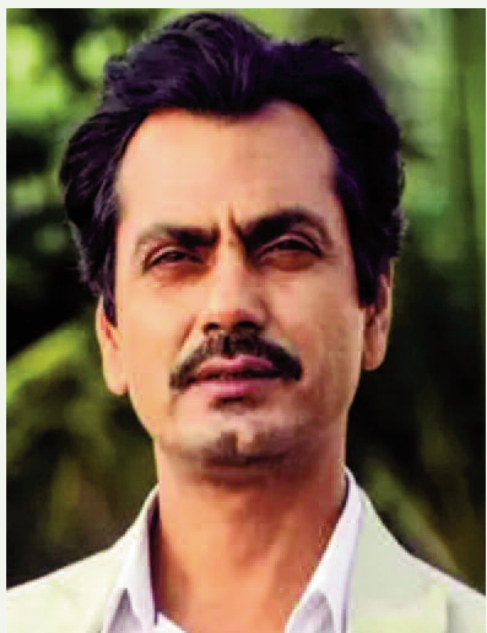
भोजन करें मगर प्यार से

भोजन करते समय कुछ खास बातें याद रखें ...

किया हुआ भोजन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी नहीं होता।

- भोजन पच जाने पर ही दूसरी बार भोजन करना चाहिए। प्रातः भोजन के बाद शाम को यदि अजीर्ण मालूम हो तो कुछ नर्म भोजन लिया जा सकता है। परंतु रात्रि को भोजन के बाद प्रातः अजीर्ण हो तो बिल्कुल भोजन नहीं करना चाहिए।
- भोजन के तुरंत बाद सोना नहीं चाहिए।
- सर्दी के दिनों में (जाड़े के मौसम में) भोजन से पूर्व थोड़ा सा अदरक व सेंधा नमक खाना चाहिए, जिससे पाचन शक्ति बढ़ जाती है।
- भोजन सामग्री में कड़े पदार्थ पहले, नरम पदार्थ बीच में और पतले पदार्थ अंत में खाना चाहिए।
- भोजन करते समय प्रारंभ में मोठे, बीच में नमकीन और अंत में कसेले पदार्थों को खाना चाहिए।
- भोजन करने से पहले केला और ककड़ी नहीं खाना चाहिए।
- भोजन में दूध, दही, छाछ का प्रयोग दीर्घजीवी बनाता है।
- भोजन करने के बाद हमेशा याद रखें- न क्रोध करें, न तुरंत व्यायाम करें। इससे स्वास्थ्य को हानि पहुँचती है।
- रात्रि के भोजन के पश्चात दूध पीना हितकर है।





नवाजुद्दीन की अदाकारी में ईमानदारी और स्थिरता है, जो उन्हें अलग बनाती है

बॉलीवुड इंडस्ट्री के सबसे बहुमुखी और प्रभावशाली अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी चाहे वह किसी भी तरह की भूमिका निभा रहे हों, उन्होंने हमेशा अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों के दिलों पर राज किया है। उनका हर किरदार सहजता से दिल को छूने वाला होता है और वह हर फिल्म में खुद को नए रूप में पेश करते हैं। नवाजुद्दीन का अभिनय इतना वास्तविक होता है कि दर्शक उन्हें स्क्रीन पर अभिनय नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन में जीने की तरह महसूस करते हैं। उनकी अदाकारी में ईमानदारी और स्थिरता है, जो उन्हें अन्य अभिनेताओं से अलग बनाती है। नवाजुद्दीन ने अपनी कला के जरिए से न केवल बॉलीवुड में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है। हाल ही में ट्रेड एक्सपर्ट ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी की तारीफ करते हुए कहा कि उनके अभिनय में कुछ खास है। उन्होंने नवाजुद्दीन की तुलना दिवंगत अभिनेता इरफान खान से करते हुए कहा कि नवाजुद्दीन में एक ऐसा गुण है, जो बहुत कम अभिनेताओं में होता है। उनका अभिनय रियल होता है दिखावा नहीं होता, बल्कि वह किरदार में पूरी तरह से खो जाते हैं। उनकी हर परफॉर्मेंस में ऐसा महसूस होता है कि वह जी रहे हैं, अभिनय नहीं कर रहे हैं। कभी-कभी, यह मुझे इरफान खान की याद दिलाता है, लेकिन नकल में नहीं, बल्कि सार में वह शांत ईमानदारी और कहानी के प्रति सम्मान, जो इरफान की खासियत थी। नवाजुद्दीन की अभिनय शैली की गहरी समझ को दर्शाता है। नवाजुद्दीन के अभिनय में एक सहजता और स्थिरता है, जो उन्हें किसी भी भूमिका में पूरी तरह से सजीव और वास्तविक बना देती है। उनका अभिनय कभी भी दर्शकों को कला का एहसास नहीं कराता, बल्कि ऐसा लगता है जैसे वह खुद किरदार का हिस्सा हैं। इस बयान का समर्थन करते हुए व्यापार विश्लेषक ने भी कहा कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी की अभिनय क्षमता ने उन्हें भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक अनमोल स्थान दिलाया है। उनकी कला न केवल उनके अभिनय कौशल को दर्शाती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि वे फिल्म इंडस्ट्री में अपने अद्वितीय योगदान से सदैव याद किए जाएंगे।

25 साल बाद सूर्यवंशम के मासूम बेटे की बदल गई पहचान

- अब 33 साल के हो चुके हैं आनंद वर्धन

1999 में रिलीज हुई अमिताभ बच्चन की फिल्म सूर्यवंशम भले ही बॉक्स ऑफिस पर असफल रही हो, लेकिन इसका टीवी पर सफर बेहद शानदार रहा है। यह फिल्म टेलीविजन पर सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली फिल्मों में शुमार है और इसके कई संवाद और किरदार आज भी सोशल मीडिया पर मीम्स के जरिए जीवित हैं। खासकर हीरा ठाकुर और उनके बेटे के रिश्ते को दिखाने वाले दृश्य अब भी दर्शकों के दिलों में बसे हुए हैं। फिल्म में अमिताभ बच्चन ने डबल रोल निभाया था और उनके बेटे का किरदार निभाने वाले चाइल्ड आर्टिस्ट आनंद वर्धन ने भी अपनी मासूम अदायगी से खास पहचान बनाई थी। आज वही आनंद वर्धन 33 साल के हो चुके हैं और उन्हें पहचान पाना काफी मुश्किल हो गया है। आनंद वर्धन ने उस समय अपने फिल्मी कैरियर की शुरुआत किया था जब वे सिर्फ चार साल के थे और सूर्यवंशम के बाद उन्हें चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में पहचान मिली थी। वे तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में वह एक जाना-पहचाना नाम थे। सूर्यवंशम में उन्होंने छोटे ठाकुर भानु प्रताप की भूमिका निभाई थी। फिल्म का एक बेहद लोकप्रिय डायलॉग ‘संस्कार उम्र से बड़े है’ उन्हीं पर फिल्माया गया था, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इस सीन में वे अपने दादा जी ठाकुर भानु प्रताप सिंह को स्याही गिरने पर माफ कर देते हैं, और यही क्षण फिल्म की सबसे भावनात्मक झलकियों में से एक बन गया। इस फिल्म का निर्देशन ईवीवी सत्यनारायण ने किया था और यह तमिल फिल्म सूर्या वामसम की हिंदी रीमेक थी। शुरुआती दौर में फिल्म को सिनेमाघरों में कुछ खास प्रतिक्रिया नहीं मिली, लेकिन समय के साथ इसकी लोकप्रियता बढ़ती चली गई और यह एक क्लासिक के रूप में उभरी। हर उम्र के दर्शकों ने इसे अपना प्यार दिया। वर्तमान में आनंद वर्धन फिल्मों से पूरी तरह दूर नहीं हुए हैं। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट साउथ की कई अन्य फिल्मों में भी काम किया और आज भी फिल्म इंडस्ट्री से उनका नाता बना हुआ है। हालांकि अब वह काफी बदल चुके हैं और बहुत से लोग उन्हें पहचान भी नहीं पाते।



कृष्णा श्रॉफ का एमएमए मैट्रिक्स: फिटनेस को भारत में नई दिशा दे रहा है



जानी-मानी फिटनेस आइकन और बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ आज फिटनेस और हेल्थ वेलनेस के क्षेत्र में एक सशक्त नाम बन चुकी हैं। फिटनेस के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता ने उन्हें एक सफल एंटरप्रेन्योर भी बना दिया है। कृष्णा और टाइगर श्रॉफ द्वारा स्थापित एमएमए मैट्रिक्स आज भारत में फिटनेस के प्रति सोच को बदलने का काम कर रहा है। एमएमए मैट्रिक्स की शुरुआत मुंबई के एक प्रमुख जिम से हुई थी, और आज इसकी लगभग 14-15 फ्रेंचाइजी देशभर में फैल चुकी हैं। यह विस्तार इस बात का प्रमाण है कि उनकी विशिष्ट ट्रेनिंग शैली और वेलनेस अप्रोच को लोग किस कदर पसंद कर रहे हैं। कृष्णा श्रॉफ बताती हैं, ‘प्रहमने एमएमए मैट्रिक्स के जरिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाया जाहा, जो पारंपरिक जिम अनुभव से कहीं आगे हो। हमारा लक्ष्य विश्वस्तरीय फिटनेस सुविधाएँ भारत में उपलब्ध कराना और व्यक्तिगत जुड़ाव को बनाए रखना था।’ एमएमए मैट्रिक्स की सबसे बड़ी खूबी इसका समावेशी और सहायक माहौल है। यहाँ बच्चों

से लेकर बुजुर्गों तक, और पुनर्वास की आवश्यकता वाले लोगों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसके प्रशिक्षक न केवल फिटनेस में माहिर हैं, बल्कि पुनर्वास-केंद्रित ट्रेनिंग में भी दक्ष हैं, जिससे वह उन लोगों की भी मदद कर पाते हैं जो पारंपरिक जिम अनुभव से खुद को दूर कर देते थे। कृष्णा ने जोर देते हुए कहा, यह सिर्फ उपकरणों की बात नहीं है; हमने एक ऐसा माहौल तैयार किया है जो व्यवसाय नहीं, बल्कि एक समुदाय जैसा महसूस होता है। हम चाहते हैं कि लोग जब हमारे जिम में आए तो वे प्रेरित, समर्थित और सम्मानित महसूस करें। एमएमए मैट्रिक्स का यह दृष्टिकोण इसे अन्य व्यावसायिक जिम्स से अलग बनाता है। यहाँ स्थायी फिटनेस आदतों को विकसित करने के लिए सही मानसिक और भावनात्मक वातावरण तैयार किया गया है। अपने मिशन में कृष्णा श्रॉफ फिटनेस को भारत में हर वर्ग और हर जरूरत के व्यक्ति तक पहुँचाना चाहती हैं एक ऐसा लक्ष्य जो तेजी से हकीकत में बदल रहा है

मौनी रॉय ने साझा किया डरावना अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय इन दिनों अपनी आने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूतनी के प्रमोशन में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ सनी कौशल, पलक तिवारी और संजय दत्त भी नजर आएंगे। हाल ही में अपने एक साक्षात्कार में मौनी ने अपने साथ हुई एक बेहद डरावनी घटना का जिक्र किया, जिसने उन्हें भीतर तक हिला कर रख दिया था। मौनी ने बताया कि एक बार वह एक छोटे शहर में थीं, जहां उनके होटल के कमरे में रात के समय एक अनजान व्यक्ति जबरदस्ती घुसने की कोशिश कर रहा था। मौनी ने इस घटना को याद करते हुए बताया कि किसी तरह उस शख्स ने उनके कमरे की चाबी चुरा ली थी और दरवाजा खोलने की कोशिश कर रहा था। इस समय मौनी अकेली नहीं थीं, उनकी मैनेजर भी उनके साथ मौजूद थीं। जब दोनों ने देखा कि कोई व्यक्ति अंदर घुसने की कोशिश कर रहा है, तो उन्होंने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। इससे वह व्यक्ति भाग गया और तुरंत होटल रिसेप्शन को बुलाया गया। उन्होंने आगे बताया कि रिसेप्शनिस्ट ने इस स्थिति को बहुत ही कैजुअल ढंग से लिया और कहा कि शायद वह कोई हाउसकीपिंग स्टाफ रहा होगा। इस पर मौनी ने सवाल उठाया कि भला कौन सा हाउसकीपिंग स्टाफ बिना नॉक किए, बिना बेल बजाए, रात के 12-30 बजे दरवाजा खोलने की कोशिश करता है। मौनी ने इस अनुभव को बेहद डरावना बताया और कहा कि यदि उनकी मैनेजर साथ नहीं होती, तो हालात और खराब हो सकते थे। इसके साथ ही मौनी ने ट्रोलिंग को लेकर भी बात की, जहां हाल ही में उनके लुक्स को लेकर कई लोगों ने सोशल मीडिया पर उन्हें निशाना बनाया था और यह तक कह डाला कि उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। इस पर मौनी ने बेबाकी से जवाब दिया कि वह इस तरह की ट्रोलिंग को देखती ही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को स्क्रीन के पीछे बैठकर दूसरों को ट्रोल करने से खुशी मिलती है, तो उन्हें ऐसा करने देना चाहिए, लेकिन वह इन बातों से प्रभावित नहीं होतीं।

निकिता दत्ता ने बाबुलनाथ मंदिर में मांगी मन्नत



एक्ट्रेस निकिता दत्ता इन दिनों अपनी फिल्म ज्वेल थीफ को लेकर खूब चर्चा में हैं। फिल्म रिलीज होने के तीन दिन बाद ही वह मुंबई के प्रसिद्ध बाबुलनाथ मंदिर पहुंचीं और भगवान शिव के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उनका मंदिर से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें निकिता को सफेद रंग के सुंदर पारंपरिक परिधान में देखा जा सकता है। इस ड्रेस पर लाल फूलों का आकर्षक डिजाइन बना हुआ था, जिसमें वह बेहद खूबसूरत नजर आईं। वीडियो में निकिता श्रद्धा भाव से पूजा करती और नंदी के कान में मन्नत मांगती नजर आती हैं। उनके इस सादगी भरे अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया है। लोग उनकी भक्ति और ट्रेडिशनल लुक को जमकर तारीफ कर रहे हैं। इससे पहले ज्वेल थीफ के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान निकिता ने फिल्म से जुड़ी अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा था कि इस फिल्म के जरिए उन्हें क्लासिक बॉलीवुड हीरोइन बनने का मौका मिला, जो उनका सपना था। उन्होंने निर्देशक सिद्धार्थ आनंद और उनकी पत्नी समता आनंद का आभार भी जताया था। फैंस निकिता के नए सफर को लेकर बेहद उत्साहित हैं और उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

कश्मीर के बचपन की यादें साझा कीं सेलीना जेटली ने

- पहलगाम आतंकी हमले पर किया भावुक पोस्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया यूनिवर्स सेलीना जेटली ने हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद एक भावुक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कश्मीर में बिताए अपने बचपन के अनुभवों को याद करते हुए एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह महज 8 या 9 साल की उम्र की दिख रही हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, ‘एक सैनिक की बेटी शैव भूमि में- गोलियों से बचती हुई, अपने भय से नहीं।’ इस पोस्ट में उन्होंने अपने उन दिनों की चर्चा की जब वे आर्मी पब्लिक स्कूल, उधमपुर में पढ़ती थीं और उनके पिता पहाड़ी रेजीमेंट में अधिकारी थे। सेलीना ने बताया कि उन्होंने उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश जैसे शांत और सुंदर इलाकों में भी समय बिताया, लेकिन कश्मीर की यादें हमेशा भय और सतर्कता से जुड़ी रही। उन्होंने लिखा कि उन्हें आज भी वह समय याद है जब स्कूल जाने के लिए बच्चों को हथियारों से लैस गाड़सों की सुरक्षा में जाना पड़ता था। वे शक्तिमान या शी टन मिलिट्री ट्रकों में स्कूल जाती थीं, जो आम बच्चों की तरह स्कूल बसें नहीं थीं, बल्कि सुरक्षा का एक अभिन्न हिस्सा थीं। उन्होंने बताया कि बचपन में ही उन्हें यह सिखाया जाता था कि अगर गोलीबारी हो तो कैसे झुकना है, चुप रहना है और खुद को कैसे सुरक्षित रखना है। उन्होंने लिखा कि कश्मीर जैसे खूबसूरत स्थान में भी वह खुलकर मैदानों में दौड़ नहीं सकती थीं, न ही जंगली फूलों को छू सकती थीं और न ही दोस्तों के साथ बेफिक्री से खेल सकती थीं। अपने पोस्ट में सेलीना ने यह भी सवाल उठाया कि जो कश्मीर कभी ऋषियों की भूमि, शैव दर्शन और आध्यात्मिकता का केंद्र था, वह अब आतंक और डर का पर्याय कैसे बन गया है। उन्होंने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले पर दुख व्यक्त करते हुए लिखा कि इस हमले ने उनके बचपन की डरावनी यादों को फिर से ताजा कर दिया है। उन्होंने अंत में लिखा कि अब वक्त आ गया है कि इस डर के चक्र को तोड़ा जाए ताकि फिर से शांति, सुंदरता और आध्यात्मिकता की वापसी हो सके। उनका यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों की संवेदनाएं भी इससे जुड़ रही हैं।

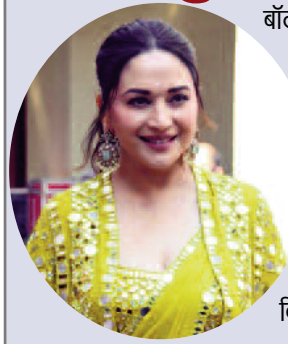


शहनाज को चढ़ा पेंटिंग का नया शौक



पंजाब की फैटरीना कैफ के नाम पहचान बनाने वाली और दमदार फैन फॉलोइंग के लिए मशहूर एक्ट्रेस शहनाज गिल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह उनकी कोई फिल्म या गाना नहीं, बल्कि उनका नया शौक पेंटिंग है। हाल ही में शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पेंटिंग करते हुए कई फोटो साझा कीं, जिसमें वह रंगों के साथ खेलती और ब्रश के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। उनके इस नए अंदाज को फैंस द्वारा बेहद पसंद किया जा रहा है और सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। अपनी चुलबुली अदाओं के लिए जानी जाने वाली शहनाज ने बचपन से ही पेंटिंग का सपना देखा था। मॉडलिंग से करियर की शुरुआत करने के बाद वह कई म्यूजिक वीडियोज और पंजाबी फिल्मों का हिस्सा रही। 2017 में सत श्री अकाल से उन्होंने फिल्मी डेब्यू किया। लेकिन असली लोकप्रियता उन्हें बिग बॉस 13 से मिली, जिसने उनके करियर को नई उड़ान दी। इसी शो के बाद उन्हें सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान में अहम रोल मिला। इसके बाद शहनाज ने फिल्म थैक्यू फॉर कमिंग में भी शानदार अभिनय किया और राजकुमार राव की फिल्म विक्री विधा का वो वाला वीडियो में अपने आइटम सॉन्ग सजना से खूब तारीफें बटोरीं। इसके अलावा उनका म्यूजिक वीडियो शीशे वाली चुन्नी रेपर हनी सिंह के साथ काफी लोकप्रिय हुआ, जिसे रिलीज के दो घंटे के भीतर ही 1.1 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले। काम की बात करें तो शहनाज गिल जल्द ही निर्देशक अमरजीत सिंह सरोन की फिल्म इक कुड़ी में नजर आएंगीं, जो 13 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शहनाज न केवल अभिनय और गायन में बल्कि अब कला के क्षेत्र में भी अपनी रचनात्मकता का परिचय दे रही हैं। उनके फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि वह पेंटिंग के जरिए भी किस तरह का जादू बिखेरती हैं।

माधुरी दीक्षित ने साझा किए शादी के शुरुआती दिनों के संघर्ष



बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित और उनके पति डॉक्टर श्रीराम नेने की शादी को अब कई साल हो चुके हैं। यह जोड़ी न केवल फिल्मी दुनिया के परफेक्ट कपल्स में गिनी जाती है, बल्कि दोनों के बीच आपसी समझ और प्यार भी मिसाल के तौर पर देखा जाता है। माधुरी ने साल 1999 में अमेरिका के काउंटियन सर्जन डॉक्टर नेने से शादी की थी। शादी के बाद वह लंबे समय तक फिल्मों से दूर रही और परिवार को प्राथमिकता दी। हाल ही में माधुरी दीक्षित का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपनी शादीशुदा जिंदगी के शुरुआती दिनों के संघर्षों पर बात कर रही हैं। अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए इस वीडियो में माधुरी ने बताया कि शादी के शुरुआती साल आसान नहीं थे, क्योंकि नेने पलोरिडा में काम करते थे और वह अकेले घर और बच्चों की जिम्मेदारियां निभा रही थीं। उन्होंने कहा कि नेने की इयूटी इतनी व्यस्त होती थी कि कई-कई दिन वे उन्हें देख नहीं पाती थीं। वह रातभर काम करके घर लौटते थे और थकान की वजह से डिनर किए बिना ही सो जाते थे। माधुरी ने बताया कि वह बच्चों को स्कूल ले जाना, वापस लाना, घर के काम करना सब कुछ खुद संभालती थीं। कभी जब वह बीमार होती तो डॉक्टर नेने उनके साथ नहीं होते क्योंकि वे किसी मरीज की देखभाल में व्यस्त होते थे। बावजूद इसके, उन्होंने कभी शिकायत नहीं की और हमेशा अपने पति पर गर्व महसूस किया। माधुरी ने कहा, जब आप घर पर होते थे, तो सब कुछ संभालते थे। आप कहते थे कि बस मुझे चार घंटे सोने दो, फिर मैं सब देख लूंगा। डॉक्टर नेने ने भी अपनी तरफ से कहा कि एक डॉक्टर होने के नाते उन्होंने काफी काम किया, लेकिन एक पछतावा हमेशा रहेगा कि उन्होंने अपनी के साथ ज्यादा समय नहीं बिता पाया। उन्होंने बताया कि शादी के वक्त वह जनरल सर्जरी कर चुके थे और पलोरिडा में अपनी मेडिकल प्रैक्टिस के लिए काम कर रहे थे। माधुरी ने इस बातचीत के अंत में कहा कि शादी से पहले उनकी जिंदगी में सिर्फ काम था, लेकिन शादी के बाद उन्हें असल जिंदगी का अनुभव हुआ। दोनों अब भागत में रह रहे हैं और अपने दो बेटों के साथ संतुलित पारिवारिक जीवन बिता रहे हैं।